नई दिल्ली ■ सोमवार 05 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 278 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बदलते समाज, कानून और अपराध की नई तस्वीर | 07 रूट- ब्रुक की साझेदारी से इंग्लैंड संभला | परिवार के साथ बर्फबारी एन्जॉय करती नजर आई 08

भारत 2036 ओलंपिक के मेजबानी की पूरी मजबूती से कर रहा तैयारी: प्रधानमंत्री

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में सरकार ने देश में खेलों के क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किये हैं और भारत 'पूरी मजबूती से' 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है।

वाराणसी में रविवार से शुरू हुई 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में कई शहरों में फीफा अंडर-17 विश्व कप और हॉकी विश्व कप समेत 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी भारत में ही होने जा रहे हैं। भारत पूरी मजबूती से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। इसके पीछे प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अधिक से अधिक मौके मिलें।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर सवार है। देश का हर क्षेत्र, विकास की हर परिभाषा इस 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से जुड़ रहा है और खेलों की परिभाषा भी इसमें से एक है। उन्होंने कहा, ''खेल के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़े व्यापक सुधार किये हैं। राष्ट्रीय खेल

प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति 2025... इस प्रकार के प्रावधानों से सही प्रतिभा को अवसर मिलेगा, खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी और साथ ही देश के युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों ही क्षेत्र में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। एक तरफ हम अच्छा मूलभूत ढांचा और वित्त पोषण का तंत्र तैयार कर रहे हैं और उसके साथ ही नौजवानों को शानदार अनुभव देने के लिए भी काम कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि एक समय था जब खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों में ही उदासीनता का माहौल था। बहुत कम युवा खेल को करियर की तरह अपनाते थे लेकिन बीते दशक में खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों की ही सोच में बदलाव दिख रहा है। प्रधानमंत्री ने खेलों के क्षेत्र में अपनी सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, ''हम स्कूल स्तर पर भी खिलाड़ियों को ओलंपिक का अनुभव देने में जुटे हैं। खेलो इंडिया अभियान की वजह से सैकड़ो युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे आने का मौका मिल रहा है। अभी

- वाराणसी में 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े पीएम

कुछ दिन पहले ही सांसद खेल महोत्सव का भी आयोजन हुआ है। इसमें भी करीब एक करोड़ युवाओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। सांसद खेल महोत्सव के दौरान मेरी काशी के भी करीब तीन लाख युवाओं ने मैदान पर अपना दमखम दिखाया।''

मोदी ने कहा कि वाराणसी में अलग-अलग खेलों से जुड़े स्टेडियम बन रहे हैं। नये खेल परिसर में आसपास के जिलों के खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि काशी बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो रही है। वॉलीबॉल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के जरिए देश के खेल नक्शे पर जगह बनाना भी काशी के लिए बहुत अहम है।'' प्रधानमंत्री ने वॉलीबाल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हो रहे खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि देश के 28 राज्यों की टीमें यहां आई हैं। आप सब 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की बहुत सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय वालीबॉल चैंपियनशिप के दौरान बनारस का जोश हाई हो जाएगा। आप सभी खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक भी मिलेंगे और काशी की आतिथ्य परंपरा को जीने का अवसर भी मिलेगा।'' मोदी ने वॉलीबॉल को टीम भावना से जोड़ने वाला खेल बताते हुए कहा, ''मैं तो भारत की विकास गाथा और वालीबॉल में भी बहुत सी समानताएं देखता हूं। वालीबॉल हमें सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले नहीं होती है। हमारी जीत हमारे समन्वय, हमारे विश्वास और हमारी टीम की तत्परता पर निर्भर होती है। हर किसी की अपनी भूमिका है। हम तभी सफल होते हैं जब सभी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हैं। हमारा देश भी इसी तरह आगे बढ़ रहा है।''

प्रधानमंत्री ने 'जेन-जी' का जिक्र करते हुए कहा, ''2014 के बाद से अलग-अलग खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। हमें बहुत गर्व होता है जब हम जेन-जी को खेल के मैदान पर तिरंगे को फहराते हुए देखते हैं।'' इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव भी मौजूद थे। उत्तर प्रदेश में लगभग 43 साल बाद आयोजित हो रही सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी तक होगा।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में इस साल राजग की जीत होगी : अमित शाह

पुडुकोट्टई (तमिलनाडु)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उसे देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया, जहां '20 प्रतिशत कमीशन' का नियम प्रचलित है।

उन्होंने विश्वास जताया कि इस साल तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विजयी होगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन द्वारा शुरू की गई पदयात्रा के समापन के अवसर पर आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए शाह ने 2024 से भाजपा-राजग की विजय उपलब्धियों का ब्योरा दिया, जिसमें हरियाणा में लगातार तीसरी जीत और दिल्ली एवं बिहार में मिली जीतें शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि अब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की बारी है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक, भाजपा और अन्य दलों के मजबूत गठबंधन से राजग विजयी होगा। शाह ने द्रमुक सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। भाजपा की यह भव्य जनसभा नागेंद्रन की राज्यव्यापी यात्रा 'तमिलगम थलैनीमिरा तमिलानिन पयानम' के समापन का प्रतीक है, जो 12 अक्टूबर, 2025 को मदुरै से शुरू हुई थी। शाह ने कथित भ्रष्टाचार को लेकर सत्ताधारी द्रमुक की जमकर आलोचना की और उसे भ्रष्टाचार का पर्याय बताया। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य 'भ्रष्ट मंत्रियों की फौज' के साथ प्रगति कर सकता है।

उन्होंने कहा, ''नौकरी के बदले रिश्वत घोटाले में एक द्रमुक नेता का नाम सामने आया है, वहीं दूसरे नेता का नाम धनशोधन मामले में आया है।'' उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा कि एक अन्य नेता का नाम 'कोयला घोटाले' में आया है। शाह ने आरोप लगाया, ''क्या तमिलनाडु की प्रगति भ्रष्ट मंत्रियों की ऐसी फौज के साथ हो सकती है? बीस प्रतिशत 'कट मनी' (कमीशन) भ्रष्टाचार का हिस्सा है। राज्य की अर्थव्यवस्था कर्ज और शराब की बिक्री के आधार पर चल रही है।''

संक्षिप्त खबरें

सेना प्रमुख यूएई के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हुए

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना हुए। जनरल द्विवेदी यूएई के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर कहा, ₹यह दौरा आपसी समझ को गहरा करने, साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।₹सेना प्रमुख का यह दौरा खाड़ी क्षेत्र में तेजी से हो रहे घटनाक्रम के बीच हो रहा है, जिसमें यमन की स्थिति को लेकर यूएई और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव भी शामिल हैं।

नेपाल के उदयपुर जिले में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया

काठमांडू। नेपाल के उदयपुर जिले में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप मापन तथा अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार, भूकंप के झटके शनिवार रात 10 बजकर 51 मिनट पर महसूस किए गए, जिसका केंद्र उदयपुर जिले के बागापाटी क्षेत्र में था। भूकंप के झटके आसपास के जिलों में भी महसूस किए गए। इससे पहले शनिवार सुबह पश्चिमी नेपाल के ताप्लेजुंग जिले में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं और यह देश अत्यधिक सक्रिय 'टेक्टोनिक' क्षेत्रों में स्थित होने के कारण भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है।

100 करोड़ रुपये मूल्य के गांजे के पौधे नष्ट किए गए

अगरतला। त्रिपुरा में सिपाहीजाला जिले के विभिन्न स्थानों पर 100 करोड़ रुपये मूल्य के गांजे के कुल 19 लाख पौधों को नष्ट किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य पुलिस, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) की संयुक्त टीम ने शनिवार को यह अभियान चलाया। प्राप्त सूचना के आधार पर 600 कर्मियों के संयुक्त बल ने उत्तर कलमचौरा, दक्षिण कलमचौरा,आनंदपुर और घाटीगढ़ क्षेत्रों में 650 एकड़ वन भूमि पर अभियान चलाया। पिहीजाला जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीब सूत्रधार ने कहा, ''शनिवार के अभियान में 100 करोड़ रुपये मूल्य के गांजे के कुल 19 लाख पौधों को विभिन्न स्थानों पर नष्ट किया गया। गांजा-रोधी अभियान जारी रहेगा।''सोनामुरा थाने के प्रभारी तपन दास ने कहा कि स्थानीय लोगों ने 650 एकड़ वन भूमि पर गांजा उगाया था लेकिन इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बारामूला में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी ठिकाना नष्ट किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी ठिकाने को नष्ट कर दिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किये। उन्होंने बताया कि शनिवार को बारामूला के शेरी क्षेत्र के सुचलीवरन जंगल में तलाश अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने ठिकाने से दो हथगोले, एके-47 राइफल की 24 गोलियां, एक वायरलेस एंटीना, एक कुल्हाड़ी, तार काटने की एक मशीन और दो छाते बरामद किये।

उत्तर भारत में शीतलहर का प्रकोप; कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में हिमपात का अनुमान

नई दिल्ली। उत्तर भारत में रविवार को ठंड का प्रकोप और बढ़ गया। राजधानी में दिन का तापमान गिर गया और राजस्थान के कुछ हिस्सों में कोहरे के कारण दृश्यता बाधित रही। कश्मीर में भी तापमान शून्य से नीचे बना रहा और मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में घाटी के ऊंचे इलाकों में हल्की बारिश या हिमपात का पूर्वानुमान जताया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से दो डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, रिज क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद लोधी रोड में 7.6 डिग्री, सफदरजंग में 7.4 डिग्री, पालम में 6.8 डिग्री और आयानगर में

6.6 डिग्री तापमान रहा। मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, छह जनवरी तक शीतलहर का प्रकोप बना रहेगा। दिल्ली में शाम 5:30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 73 प्रतिशत दर्ज की गई। राजस्थान में कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा।

सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में एक-दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप और तेज हो गया है।

वेनेजुएला से जुड़े घटनाक्रम पर भारत ने व्यक्त की 'गहरी चिंता'

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को अमेरिकी सैन्य अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने पर ''गहरी चिंता'' व्यक्त की तथा कहा कि वह तेल समृद्ध दक्षिण अमेरिकी देश में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। अमेरिका ने शनिवार को एक सैन्य अभियान के तहत तेल समृद्ध वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम गहरी चिंता का विषय है। हम तेजी से बदलती स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।'' भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल

करने का भी आह्वान किया। मंत्रालय ने कहा, कि भारत वेनेजुएला के लोगों के कुशल-क्षेम और उनकी सुरक्षा के प्रति समर्थन की फिर पुष्टि करता है। बयान में कहा गया कि हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे बातचीत के जरिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। अमेरिका ने मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने का लगातार आरोप लगाने के बाद वेनेजुएला की राजधानी काराकस पर शनिवार को सैन्य हमला किया। मादुरो ने आरोपों का कड़े शब्दों में खंडन किया था। अमेरिकी सैनिक मादुरो और उनकी पत्नी को न्यूयॉर्क ले गए हैं। अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि काराकस स्थित भारत का दूतावास भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है और वह उन्हें हरसंभव सहायता देता रहेगा। शनिवार रात भारत ने अपने नागरिकों को वेनेजुएला की सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी और वहां मौजूद सभी लोगों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया।

ईडी ने अदालत को बताया, पूर्व जिलाधिकारी ने तय कर रखी थी रिश्वत की दर

अहमदाबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन के एक मामले की जांच में पता चला कि आईएएस अधिकारी और सुरेंद्रनगर के पूर्व जिलाधिकारी राजेंद्रकुमार पटेल ने भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) आवेदनों को मंजूरी देने के लिए 5 रुपये से 10 रुपये प्रति वर्ग मीटर तक रिश्वत की दर तय की थी।

ईडी ने दो जनवरी को अहमदाबाद की एक विशेष पीएमएलए अदालत में दाखिल रिमांड याचिका में कहा कि सीएलयू आवेदनों पर तेजी से कार्रवाई के लिए रिश्वत की मांग की जाती थी। रिश्वत की रकम गुजरात में जिलाधिकारी के कार्यालय से संचालित मध्यस्थों के एक नेटवर्क के माध्यम से भेजी जाती थी। अदालत ने पटेल को सात जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। डिजिटल साक्ष्य के अनुसार, रिश्वत वसूली का हिसाब-किताब रखा जाता था और समय-समय पर जिलाधिकारी के निजी सहायक को भेजा जाता था। अब तक की जांच में 800 से अधिक सीएलयू आवेदनों का पता चला है, जिनमें कथित तौर पर रिश्वत दी गई। इस तरह 10 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अपराध के जरिये एकत्र की गई। ईडी ने कहा कि 2015 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी और सुरेंद्रनगर के तत्कालीन जिलाधिकारी पटेल सीएलयू मंजूरी से जुड़े रिश्वतखोरी के धन शोधन रैकेट में मुख्य लाभार्थी और अंतिम निर्णय लेने वाले व्यक्ति थे।

ईडी द्वारा उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) चंद्रसिंह मोरी की गिरफ्तारी के बाद, पिछले हफ्ते पटेल का तबादला कर दिया गया था लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई।

डिजिटल अरेस्ट: बुजुर्ग से 7.12 करोड़ रुपये की ठगी

हैदराबाद। हैदराबाद में मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी करने वाले जालसाजों ने 81 वर्षीय एक व्यक्ति को मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने की धमकी देकर 'सत्यापन' के बहाने उससे 7.12 करोड़ रुपये ठग लिए।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने पीड़ित को पिछले साल 27 अक्टूबर को फोन किया और खुद को एक कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए दावा किया कि मुंबई से थाईलैंड भेजे गए एक पार्सल में एमडीएमए (मादक पदार्थ), पासपोर्ट और कुछ डेबिट और क्रेडिट कार्ड मिला है जिसे मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद, एक अन्य व्यक्ति ने

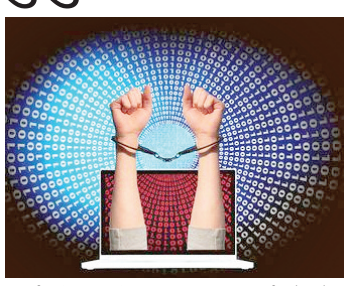

मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर बुजुर्ग को फोन किया और कहा कि वह मादक पदार्थ तस्करी, धन शोधन एवं आतंकवादी गतिविधियों के एक बड़े रैकेट में शामिल है। उन्होंने बताया कि जालसाजों ने बैंक खाते के 'सत्यापन' और मामले से बचने के बहाने बुजुर्ग से पैसे हस्तांतरित करवाए। पीड़ित उनसे पैसे ठग लेते हैं।

- जालसाजों ने 81 वर्षीय एक व्यक्ति को मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने की धमकी देकर बनाया शिकार

बुजुर्ग ने दो महीने के भीतर कुल 7.12 करोड़ रुपये हस्तांतरित कर दिए। जब जालसाजों ने और पैसे मांगे तो उन्होंने 30 दिसंबर को तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो में इसकी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। डिजिटल अरेस्ट' ठगी का वह तरीका है जिसमें जालसाज पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर वीडियो फोन के माध्यम से पीड़ितों को बंधक बनाकर उनसे पैसे ठग लेते हैं।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर का दीक्षांत समारोह भारत मंडपम में आयोजित

'विकसित भारत' के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएंगे वास्तुकार: जयंत चौधरी

नई दिल्ली। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर , नई दिल्ली का 43वां दीक्षांत समारोह रविवार को भारत मंडपम में आयोजित किया गया। स्नातक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने भारत की विकास यात्रा में वास्तुकारों और योजनाकारों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

आगे की सोच की आवश्यकता पर जोर देते हुए जयंत चौधरी ने कहा, ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वास्तुकारों की जगह नहीं लेगी; यह सीमित सोच की जगह लेगी।'' उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे रचनात्मकता, नैतिकता और तकनीकी प्रगति का समन्वय करते हुए 'विकसित भारत' के विज़न में योगदान दें। एसपीए नई दिल्ली के निदेशक प्रो. वीरेंद्र कुमार पॉल ने जानकारी दी कि इस वर्ष कुल 373 विद्यार्थियों ने स्नातक किया, जिनमें 119 स्नातक

(अंडरग्रेजुएट), 223 स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) और 31 पीएचडी शोधार्थी शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता प्रो. आर्क. हबीब खान, अध्यक्ष, ने की। इस अवसर पर श्री आनंद कुमार (आईएएस, सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, रेरा तथा प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय, निदेशक, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सेलरेटर सेंटर (आईयूएसी) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही शिक्षा जगत, सरकार और उद्योग जगत के अनेक गणमान्य प्रतिनिधि भी समारोह में शामिल हुए। यह समारोह स्नातक विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक रहा, जब वे वास्तुकला, योजना और डिजाइन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

बांग्लादेश ने की टी20 विश्व कप के मैचों को भारत से बाहर कराने की मांग

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को सुरक्षा चिंताओं और सरकार की सलाह का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया। यह फैसला आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 'रिलीज' करने के बाद लिया गया।

बीसीसीआई ने शनिवार को रहमान को 'रिलीज' करने के अपने फैसले के लिए दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंधों का स्पष्ट रूप से जिक्र नहीं किया, लेकिन उसने कहा कि यह कदम मौजूदा घटनाओं से प्रेरित है। रहमान को आईपीएल से अचानक बाहर किए जाने के बाद बीसीबी ने शनिवार रात को एक आपातकालीन बैठक बुलाई और एक दिन बाद घोषणा की कि निदेशक

मंडल की पुनः बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय टीम सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी। बीसीबी ने एक बयान में कहा कि बोर्ड ने पिछले 24 घंटों के घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए स्थिति की विस्तृत समीक्षा की और भारत में खेले जाने वाले मैचों में बांग्लादेश राष्ट्रीय टीम की भागीदारी से संबंधित मौजूदा परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि भारत में बांग्लादेश की टीम की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और मौजूदा स्थिति के आकलन के साथ बांग्लादेश सरकार की सलाह पर विचार करते हुए निदेशक मंडल ने फैसला किया है कि बांग्लादेश राष्ट्रीय टीम वर्तमान परिस्थितियों में टूर्नामेंट के लिए भारत की यात्रा नहीं करेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को इस मुद्दे पर ध्यान देना होगा क्योंकि बांग्लादेश को लीग चरण के अपने चारों मैच भारत में खेलने हैं। पाकिस्तान के साथ हुए समझौते की तरह बांग्लादेश भी चाहता है कि उसके सभी मैच टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए जाएं।

बीसीबी के बयान के मुताबिक बीसीबी ने विश्व कप के आयोजक आईसीसी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश के सभी मैचों को भारत के बाहर किसी अन्य स्थान (सह-मेजबान श्रीलंका) में स्थानांतरित करने पर विचार करे। बीसीबी आईसीसी से इस स्थिति को समझने और इस मामले पर तत्काल प्रतिक्रिया की उम्मीद करता है।

लिव-इन पार्टनर की हत्या, युवती गिरफ्तार

मृतक की फाइल फोटो

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-150 की एक सोसायटी में सनसनीखेज घटना सामने आई है। आरोप है कि लिव इन रिलेशन शिप में रहने वाली एक युवती ने चाकू मार कर लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपित युवती को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार जिम्स अस्पताल से पुलिस को मीमो के माध्यम से सूचना मिली कि एक विदेशी नागरिक को मृत अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस जांच में मृतक की पहचान मिस्टर डक ही युह निवासी साउथ कोरिया के रूप में हुई है। वह वर्तमान में एटीएस पायस हाइड वेज, सेक्टर-150, थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में रह रहा था। अस्पताल में पूछताछ के दौरान यह जानकारी सामने आई कि मृतक को लुंजियाना पामाई निवासी थाना खोपुम जिला बिष्णुपुर मणिपुर नामक एक युवती द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि युवती ने ही चाकू से हमला कर युवक की हत्या की है। मृतक और आरोपित युवती काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रह रहे थे।

आपसी विवाद के बाद घटना को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना नॉलेज पार्क पर तत्काल संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने आरोपित युवती को गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। हत्या में प्रयुक्त चाकू की बरामदगी सहित अन्य साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई भी जारी है।

मृतक विदेशी नागरिक होने के कारण मामले की सूचना संबंधित उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया, चोरी की बाइक और अवैध सामान बरामद

नोएडा। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामलों में 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने 3 बदमाशों के पास से चोरी की मोटर साइकिल, शराब व असलहा बरामद किया है। वहीं गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक बदमाश को देसी तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना फेस-2 पुलिस ने आज मोटरसाइकिल चोरी करने वाला 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में अमित कुमार पुत्र रमाशंकर सिंह को ग्राम भंगेल के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की 1मोटरसाइकिल, 2 फर्जी नंबर प्लेट वा अवैध चाकू बरामद किया गया है।उन्होंने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध हरियाणा व नोएडा के थानों में दो मुकदमें दर्ज है।

थाना फेस-1 पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध 107 टैट्रापैक देशी शराब बरामद किया है। थाना प्रभारी

निरीक्षक ने बताया कि अभियुक्त मौ. नहमद अली पुत्र मौ. आलम को सेक्टर-8 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है।

थाना जारचा पुलिस अवैध शस्त्र के साथ एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक शातिर अभियुक्त कैलाश उर्फ बिट्टू पुत्र गुलाब सिंह को समाना नहर के पास कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से 1 तमंचा मय जिंदा कारतूस . बरामद हुआ है । उन्होंने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ एनसीआर के विभिन्न जनपदों के थानों में 8 मुकदमे पूर्व में दर्ज है।

जिले के 700 लोगों ने ओटीएस का लाभ उठाया

दूसरे चरण में 24 स्थानों पर शिविर लगाए 20 लाख से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ

नोएडा। विद्युत निगम ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के दूसरे चरण में रविवार को जिले में 24 से अधिक स्थानों पर शिविर लगाए। इसमें 700 उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ उठाया। निगम को 20 लाख से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

अधीक्षण अभियंता रितेश आनंद ने बताया कि चार जनवरी से ओटीएस का दूसरा चरण लागू हुआ। इसके तहत शिविर लगाने के साथ बकायेदारों को घर-घर जाकर योजना की जानकारी दी जा रही है। रविवार को आठ शिविर दादरी, आठ जेवर और आठ ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में लगाए गए। इसमें 700 लोगों ने पंजीकरण कराया। शिविर में आने वालों को योजना के लाभों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के तहत ब्याज पर शत-प्रतिशत तक छूट के साथ मूलधन पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। बिजली चोरी के प्रकरण में भी जुर्माने पर 45 प्रतिशत की सीधी छूट मिल रही है।

उल्लेखनीय है कि पहले चरण में 15 हजार उपभोक्ता योजना का लाभ उठा चुके हैं। इससे विभाग को 33 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

अशोका फुटबॉल क्लब ने रोमांचक मुकाबले में नोएडा को हराया

नोएडा। शहर के अशोका फुटबॉल क्लब (एफसी) ने अंडर-13 फ्यूचर स्टार्स फुटबॉल लीग में नोएडा एफसी को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से हरा दिया। रविवार को दिल्ली में खेले गए इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। अशोका फुटबॉल क्लब का लीग में यह अंतिम मुकाबला था। अशोका क्लब और नोएडा एफसी के बीच हुए इस मुकाबले में कांटे की टक्कर हुई। मुकाबले के आखिरी मिनट में अनिकेत सिंह ने गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। अशोका की ओर से अर्नव, देवांश, ऐशले ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इससे पहले के मुकाबले में अशोका एफसी ने बंगदर्शन एफसी को हराया था।

इन्वर्टर चुराकर ले जा रहे आरोपी को लोगों ने दबोचा

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर क्षेत्र में इन्वर्टर चोरी कर ले जा रहे आरोपी को लोगों ने रंगेहाथ पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर कस्बा की उमंग प्लाजा गली स्थित मकान में किराये के कमरे में अंकित त्यागी रहते हैं। वह शनिवार रात करीब 10 बजे कमरे से निकले तो बाहर रखा इन्वर्टर गायब मिला। मकान के बाहर निकल कर उन्होंने देखा तो एक युवक इन्वर्टर ले जाते दिखा। लोगों की मदद से अंकित ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान भाटी कॉलोनी निवासी आकाश के रूप में हुई। उसने इन्वर्टर चुराने की बात कुबूल की। अंकित समेत अन्य लोगों ने आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पीड़ित की सजगता से चोरी हुआ इन्वर्टर उसे वापस मिल गया।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान 6895 चालान और 23 वाहन किये सीज

नोएडा। यातायात पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 6895 वाहनों का चालान तथा 23 वाहनों को आज सीज किया है। इस दौरान पुलिस आयुक्त के निर्देशन में सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए दो-पहिया व ऑटो/टेंपो चालकों को बिना नंबर प्लेट वाहन ना चलाने, वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थल पर खडा करने, विपरीत दिशा में वाहन न चलाने, बिना डीएल, निर्धारित लेन में वाहन चलाने के संबंध में मॉडल टाउन गोलचक्कर, पर्थला गोलचक्कर, गढ़ी गोलचक्कर पर जनसामान्य को यातायात पुलिस की रोड सेफ्टी सैल द्वारा सडक सुरक्षा जीवन रक्षा तथा यातायात नियमों व संकेतों के प्रति जागरूक किया।

एडीसीपी यातायात ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर यातायात पुलिस द्वारा कुल 6895 ई-चालान की कार्यवाही की गई एवं 23 वाहनों के विरुद्ध सीज की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही यातायात पुलिस द्वारा मॉडल टाउन गोलचक्कर पर YSS फाउंडेशन, एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्रों के सहयोग से जनसामान्य एवं ऑटो/टेंपो चालकों को साथ ही पर्थला गोलचक्कर, गढ़ी गोलचक्कर पर सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के विषय एवं यातायात नियमों/संकेतों के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस की यह जागरूकता अभियान और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जनवरी माह में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत नोएडा व ग्रेटर नोएडा के आसपास अनाधिकृत रूप से चलने वाले वाहनों व सार्वजनिक मार्गों पर नो पार्किंग में खड़े वाहनों तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि यातायात सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत अभियान चलाकर रविवार को मैनुअल 3132 चालान एवं ISTMS कैमरों द्वारा 3763 वाहनों के

पत्नी को प्रताड़ित करने के मामले में पति समेत चार पर केस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा निवासी महिला ने अपने पति की प्रताड़ना से परेशान होकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। उसने पति के विदेश भागने की आशंका जताकर पासपोर्ट जब्त करने की मांग भी की। पुलिस ने इस मामले में पति और सास समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक सौंदर्यम सोसाइटी निवासी प्रेरणा गोयल की शादी 22 जनवरी 2024 को आदित्य अग्रवाल के साथ हुई थी।

प्रेरणा का आरोप है कि ससुराल पहुंचते ही पति आदित्य, नंद विधि, सास रमा अग्रवाल और विनेश अग्रवाल ने अतिरिक्त दहेज का दबाव बनाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। पति आदित्य चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में नौकरी करता था। कुछ माह बाद वह प्रेरणा को भी प्राग ले गया। प्रेरणा का आरोप है कि पति ने उस पर वहां नौकरी करने का दबाव बनाया, लेकिन चेक भाषा नहीं आने से तमाम कोशिशों के बाद भी उसे नौकरी नहीं मिली। इसके चलते पति वहां भी मारपीट कर प्रताड़ित करता रहा। वहां से लौटने पर प्रेरणा ने पिता से आपबीती बताई तो ससुरालवालों ने गलती मानते हुए माफी मांग ली। आदित्य 18 अक्तूबर 2025 को प्रेरणा को कार से घुमाने के बहाने बार ले गया और बीच रास्ते में उतार कर चला गया। किसी तरह प्रेरणा घर पहुंची तो बैग समेत अन्य सामान बाहर फेंक दिया।

आरोपियों ने घर में घुसने पर जान से मारने की धमकी दी। बिसरख कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पति और सास समेत चारों आरोपियों के खिलाफ प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता खोजने के लिए पुलिस की टीम गठित

नोएडा। फेज-वन थाना क्षेत्र से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में 15 दिन पहले लापता हो गई। पुलिस ने पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर किशोरी को खोजने के लिए टीम गठित कर दी है।

मूलरूप से बिहार के रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह वर्तमान में सेक्टर-5 स्थित हरौला गांव में किराये पर रहते हैं। वह मजदूरी करके परिवार को भरण- पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर की शाम चार बजे 17 वर्षीय बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई। उसे खोजने के लिए रिश्तेदार और परिचितों के यहां कई दिन तक जानकारी प्राप्त की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। परिजन ने बेटी के साथ अनहोनी होने की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि किशोरी के गायब होने के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही किशोरी को सकुशल बरामद कर मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 जनवरी से शुरू होकर 8 जनवरी तक चलेगा। सत्र की औपचारिक शुरुआत 5 जनवरी (सोमवार) को पूर्वाह्न 11 बजे दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण से होगी। दिल्ली विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक 5 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे दिल्ली विधानसभा में राष्ट्रगान होगा और उसके दो मिनट बाद उपराज्यपाल का अभिभाषण शुरू होगा। सभी सदस्यों से विधानसभा में पूर्वाह्न 10.45 मिनट पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। उद्घाटन दिवस पर कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे प्रारंभ होगी, जबकि शेष दिनों में बैठकें दोपहर 02 बजे से आरंभ होंगी। सत्र में प्रश्नकाल पर विशेष जोर रहेगा, जो लगातार तीन दिनों तक आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, जल, परिवहन, वित्त और शहरी विकास जैसे प्रमुख सेवा-प्रदाय विभागों से संबंधित प्रश्नों के माध्यम से सदस्य शासन से समयबद्ध और स्पष्ट उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। सत्र के दौरान सीएजी की पांच रिपोर्टें सदन के पटल पर प्रस्तुत की जाएगी।

आप नेताओं के बदलते रंग से जनता स्तब्ध : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज एक बयान जारी कर हुए कहा कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं के बार-बार बदलते रंग देख कर स्तब्ध है। सचदेवा ने कहा कि आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एवं दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज सहित आआपा नेताओं ने दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद पर आरोप लगाया गया कि शिक्षा निदेशालय ने शिक्षकों को कुत्तों की गिनने को लेकर सर्कुलर जारी किया है। आआपा नेताओं के इस झूठ की पोल शिक्षा मंत्री आशीष सूद और मैंने सर्कुलर को मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक करके खोल दी। इसके बाद अब आआपा नेता मंत्री आशीष सूद पर व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी करने पर उतर है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आआपा नेताओं द्वारा मंत्री आशीष सूद पर की जा रही व्यक्तिगत टीका-टिपण्णी की दिल्ली की जनता एवं दिल्ली भाजपा निंदा करते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने एक नई पार्टी बना कर बड़े-बड़े आदर्शों की बात की, निश्चय ही नई पार्टी आआपा ने शुरू में कुछ नये लोगों को टिकट दिया। आआपा ने सत्ता में आते ही के भ्रष्टाचार के मामले में बड़ी-बड़ी पार्टियों को पछाड़ दिया।

पांच सितारा होटल की 12वीं मंजिल से कूदकर एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में रविवार को 50 वर्षीय व्यक्ति ने एक पांच सितारा होटल की 12वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान लाजपत नगर निवासी परविंदर सिंह जुनेजा के रूप में हुई है। उसने बताया कि सिंह होटल में आया और लिफ्ट से 12वीं मंजिल पर गया, जहां एक रेस्तरां स्थित है। पुलिस के अनुसार, इसके बाद उसने इमारत से छलांग लगा दी। उसने बताया कि पुलिस को रविवार दोपहर करीब 12 बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद कई टीम मौके पर पहुंचीं और कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जुनेजा क्रिसमस के दौरान होटल में ठहरे थे और बाद में चले गए थे। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच जारी है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्थगन मांगने की 'संस्कृति' की आलोचना की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्थगन की संस्कृति की आलोचना करते हुए कहा है कि अंधाधुंध तरीके से स्थगन का अनुरोध किया जाता है और यह सोचना गलत है कि अनुरोध करने पर मामले में स्थगन प्रदान कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा एक मामले में वकील के अनुपस्थिति रहने के लिए लगाए गए 20,000 रुपये के जुर्माने को माफ करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह जुर्माना पिछले साल मई में उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ द्वारा लगाया गया था। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की इस दलील पर गौर किया कि उसकी वकील अधीनस्थ अदालतों में अन्य मामलों में व्यस्त होने के कारण इस मामले में पेश नहीं हो सकीं। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि उनकी वकील दो बच्चों की एकल मां हैं और उन्हें अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने 10 दिसंबर के एक आदेश में कहा कि दुर्भाग्य से, अदालतों में समय के साथ स्थगन की एक संस्कृति विकसित हो गई है और यह गलत धारणा बन गई है कि मामला चाहे जो भी हो, अनुरोध करने पर स्थगन प्रदान किया जाएगा। इसमें कहा गया कि प्रतिवादी के वकील या अदालत के समय का कोई ध्यान रखे बिना अंधाधुंध तरीके से स्थगन का अनुरोध किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की वकील अपनी अनुपस्थिति को निजी समस्या बताकर उचित ठहराने की कोशिश कर रही हैं, जबकि वास्तव में यह किसी अन्य मामले में पेशेवर व्यस्तता के कारण था। यह निजी समस्या नहीं है, जैसा कि वह जोर-शोर से तर्क दे रही हैं। अदालत ने कहा कि उम्मीद है कि स्थगन का अनुरोध करने की यह संस्कृति समय के साथ बदल जाएगी और 20,000 रुपये का जुर्माना माफ किया जाता है।

देवभूमि की डेमोग्राफी और संस्कृति से कोई समझौता नहीं : सीएम धामी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को 'दिल्ली शब्दोत्सव 2026' में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देवभूमि की डेमोग्राफी और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। पिछली सरकारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों में लैंड जिहाद किया गया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि लैंड जिहाद एक सुनियोजित षड्यंत्र है, इसके तहत 'नीली, पीली और हरी चादर चढ़ाकर' सरकारी जमीन पर कब्जा किया गया। हमने इसके खिलाफ नियमों के अनुसार अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। हमने पहले ही लोगों को चेतावनी दी। कुछ लोगों ने अतिक्रमण छोड़ा, लेकिन कुछ जगहों पर प्रशासन की मदद से अतिक्रमण हटवाया गया।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने उत्तराखंड में 10 हजार एकड़ से अधिक सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करवाया है। डेमोग्राफी के असंतुलन और देवस्थान को बदनाम करने वालों के खिलाफ भी हमने अभियान चलाया है और वेरिफिकेशन ड्राइव भी चलाई गई। उत्तराखंड में 2003 के बाद परिवार रजिस्टर में कई नाम जोड़े गए हैं। हमने हाल ही में एक निर्णय लिया है कि सभी जिलों के परिवार रजिस्टर को एक जगह सील कर दिया जाए। उनकी जांच करवाई जाएगी। मदरसा बोर्ड समाप्त किए जाने पर उन्होंने कहा कि हम अल्पसंख्यक शिक्षा में सुधार का कानून लेकर आए हैं। अल्पसंख्यक समाज के अंदर सिख, जैन, पारसी, बौद्ध और ईसाई लोगों को भी इसमें लाया गया है। अल्पसंख्यक शिक्षा में सुधार को लेकर लाए गए कानून से इन्हें भी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मदरसों का नाम कुछ और है, पढ़ाई कुछ और हो रही है। काम कुछ और हो रहा है। बाहर से कुछ और दिखाई देता है, लेकिन संदिग्ध लोग पकड़े जाते हैं। पहचान छुपाकर लोगों को शरण दी जाती है। यहां के लोगों में आधुनिक शिक्षा दिखाई नहीं देती है। आधुनिक शिक्षा पढ़ाई जानी चाहिए। हमने तय किया है कि एक जुलाई 2026 के बाद ऐसे मदरसे बंद कर दिए जाएंगे, जिनमें उत्तराखंड सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाए जाएंगे। 250 से अधिक अवैध मदरसों को हमने बंद कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम देवभूमि के अंदर 500 साल पुरानी कट्टरवादी मानसिकता वाली शिक्षा या कबीलाई मानसिकता को पनपने नहीं देंगे। हमने शिक्षा और ज्ञान के मंदिर स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जब हमने आयुष्मान योजना शुरू की थी तो हमें अनुमान था कि इसका खर्च 100 से 200 करोड़ का आएगा, लेकिन ये कई सौ करोड़ पहुंच गया है। जब हमने इसकी समीक्षा की तो आंकड़े चौंकाने वाले आए हैं। एसआईआर चल रहा है, लेकिन हम अपने स्तर पर पहले से ही सत्यापन शुरू करवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि साफ और सुथरी होनी चाहिए। हमारा मकसद किसी को टारगेट करना नहीं है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब आप कोई काम करते हैं, तो आकलन करके करते हैं। मैंने देवभूमि के हित के लिए कदम उठाया। देवभूमि के भविष्य को सवारना चाहता हूं। आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ सुथरा उत्तराखंड बनाना चाहता हूं। बच्चों को मैं असुरक्षित भविष्य नहीं देना चाहता हूं। इसलिए मुझे लगता है कि अतिक्रमण हटाने और धर्म के हिसाब से काम करने के लिए भगवान की भी कृपा होती है। बड़ों का भी आशीर्वाद होता है। हमने नियमों के अनुसार काम किया है।

उन्होंने बताया कि 600 से अधिक ढांचे ऐसे बने हुए थे, जो सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करके बने थे। देहरादून में एक पुरानी मजार थी, लेकिन उसके नीचे कुछ भी नहीं था। ऐसे 600 जगहों की पहचान की गई। वह सिर्फ जमीनों को अतिक्रमण करने के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि देवभूमि के देवत्व को हम कोई नुकसान नहीं होने देंगे। उसके लिए जो भी जरूरी कदम होंगे, हम उसे उठाएंगे। हम ऐसा कर भी रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। पूरे भारत समेत पूरी दुनिया के लोग चाहते हैं कि देवभूमि का अस्तित्व किसी कीमत पर खराब नहीं होना चाहिए। इसकी अब हमारी जिमेदारी है।

यमुना की स्वच्छता का अभियान अब जन आंदोलन का रूप ले रहा है : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को आईटीओ के पास यमुना नदी के छठ घाट पर आयोजित यमुना नदी क्लीनअप ड्राइव का निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि यमुना की स्वच्छता का अभियान अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जन आंदोलन का स्वरूप ले रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति यूथ फ़ाउंडेशन ने किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अभियान में शामिल स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं, नागरिकों, युवाओं व यमुना टास्क फोर्स (137 सीईटीएफ बटालियन टेरिटोरियल आर्मी) के जवानों की सक्रिय सहभागिता को प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि रविवार के दिन भी इतनी बड़ी संख्या में लोगों का स्वेच्छा से यमुना स्वच्छता अभियान में शामिल होना दर्शाता है कि यह जन आंदोलन का स्वरूप ले रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार यमुना सफाई अभियान को युद्धस्तर पर चरणबद्ध, वैज्ञानिक और सुनियोजित तरीकों से संचालित कर रही है। गाद व अन्य सामग्री का निस्तारण, कचरा प्रबंधन, सीवेज ट्रीटमेंट, जैविक उपचार और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए यमुना के पुनर्जीवन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

दृष्टिबाधितों के लिए शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसर सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता : इंद्राज सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने ब्रेल लिपि के प्रणेता लुई ब्रेल की 217वीं जयंती के अवसर पर रोहिणी स्थित ब्रेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर अतिथियों, दिव्यांगजनों व समाजसेवियों से संवाद किया।

उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दृष्टिबाधित भाई-बहनों के लिए शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समान अवसर सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। समावेशी और संवेदनशील समाज के निर्माण हेतु ऐसे आयोजनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंत्री इंद्राज ने दृष्टिहीनों को शिक्षा और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाने वाले ब्रेल लिपि के आविष्कारक, महान शिक्षाविद लुई ब्रेल को उनकी जयंती पर नमन किया।

उन्होंने कहा कि ब्रेल लिपि ने न केवल ज्ञान के द्वार खोले, बल्कि समान अवसर, सम्मान और सशक्तिकरण की भावना को भी मजबूत किया।

सेवानिवृत्त बुजुर्ग शिक्षक व उनकी पत्नी की हत्या

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के मानसरोवर पार्क स्थित राम नगर एक्सटेंशन में शनिवार देर रात सेवानिवृत्त बुजुर्ग शिक्षक और उनकी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान विरेंद्र कुमार बंसल (75) और इनकी पत्नी परवेश बंसल (65) के रूप में हुई है। शनिवार देर रात इनका इकलौता बेटा घर पहुंचा तो हत्याकांड का पता चला। बुजुर्ग दंपती की लाश अलग-अलग कमरों में पड़ी हुई थी। खबर मिलते ही पुलिस के अलावा क्राइम टीम व एफएसएल मौके पर पहुंच गई।

मौके से साक्ष्य जुटाए गए। शुरुआती जांच में आशंका व्यक्त की जा रही है कि बुजुर्ग महिला परवेश बंसल को गला घोंटकर मौत के घाट उतारा गया है जबकि इनके पति विरेंद्र बंसल सिर व चेहरे पर किसी भारी वस्तु से वार किए गए हैं। शुरुआती जांच के बाद पता चला है कि परेवश बंसल के पहने हुए गहने गायब मिले हैं। लूटपाट, रंजिश समेत तमाम दृष्टिकोणों से पुलिस मामले की जांच कर रही है। घर में फ्रेंड्ली एंट्री हुई है। इस आधार पर हत्याकांड में पुलिस किसी करीबी का हाथ होने की आशंका जता रही है। पुलिस दंपती के बेटे से भी लगातार पूछताछ कर रही है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि मूलरूप से खेकड़ा, बागपत के रहने वाले विरेंद्र कुमार बंसल अपने परिवार के साथ 1/4332, राम नगर एक्सटेंशन, मानसरोवर पार्क की तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी परवेश बंसल के अलावा एक बेटा वैभव बंसल (28) व शादीशुदा बेटी एकता बंसल है। विरेंद्र बंसल करीब 15 साल पहले दिल्ली सरकार के ज्योति नगर स्थित राजकीय विद्यालय में टीजीटी-साइंस के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

इनकी पत्नी हाउस वाइफ थीं। बेटा वैभव घोंडा में जिम ट्रेनर है। इसके अलावा वह शेयर मार्केट में ट्रेडिंग भी करता है। बेटी एकता अपने पति हिमांशु के साथ शाहपुर, मुजफ्फरनगर में रहती है। बेटी भी प्राथमिक विद्यालय में टीचर है। शनिवार शाम को दंपती अपने घर पर मौजूद थे। शाम के समय वैभव जिम जाने की बात कर निकल गया। इस बीच रात करीब 12 बजे वह घर पहुंचा तो घर का सेंट्रल लॉक वाला दरवाजा बंद था। उसने दरवाजा खोला को अंदर घुसते ही पहले कमरे में मां फर्श पर अचेत पड़ी थीं।

मां में कोई हलचल नहीं थी। वह भागा-भागा अंदर पहुंचा तो अंदर वाले कमरे में बेड पर पिता का शव खेल से लथपथ पड़ा हुआ था। पिता के सिर और चेहरे पर चोट के निशान थे। वैभव ने शोर मचा दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी भागे-भागे ऊपर पहुंचे। अंदर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए। बाद में पड़ोसियों ने बेटे से पुलिस को कॉल करने के लिए कहा। बेटे ने पुलिस को खबर दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। बाद में साक्ष्य जुटाए गए। घर के गेट व गली में लगे सीसीटीवी कैमरो खराब मिले हैं। पुलिस पड़ोसियों के अलावा परिजनों व विरेंद्र के बेटे वैभव से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

दो युवकों पर चाकू से कई बार हमला किया गया, दोनों घायल

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में चार लोगों ने कथित तौर पर कई बार चाकू से वार करके 18 वर्षीय दो युवकों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जहांगीरपुरी पुलिस थाने को दोपहर करीब 2.55 बजे पीसीआर पर जानकारी प्राप्त हुई, जिसमें जहांगीरपुरी के 'के' ब्लॉक के पास चाकूबाजी की घटना की सूचना दी गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर पुलिस को अंशु और विमल नाम के दो घायल व्यक्ति मिले, दोनों की उम्र 18 वर्ष थी।

अंशु के दाहिने हाथ पर चाकू से वार किए गए थे, जबकि विमल को कई जगह चाकू के घाव लगे थे। घायलों को प्राथमिक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और बाद में आगे के इलाज के लिए लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हमला 'के' ब्लॉक में चार लोगों द्वारा बिना किसी उकसावे के किया गया था। पूछताछ के दौरान घायलों ने पुलिस को बताया कि हमलावर उनके पास आए और पूछा कि क्या वे साहिल नाम के किसी व्यक्ति को जानते हैं। जब पीड़ितों ने 'नहीं' में जवाब दिया, तो आरोपियों ने आगे पूछा कि क्या वे 'के' ब्लॉक के निवासी हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ ही देर बाद, हमलावरों ने कथित तौर पर धारदार हथियार निकाले और दोनों पर वार करके उन्हें घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि अंशु का बयान तब दर्ज किया गया जब उसे बयान देने के लिए स्वस्थ घोषित किया गया। उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान और उन्हें ढूंढने के लिए कई टीम गठित की गई हैं और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आगे की जांच जारी है।

ब्लॉक कांग्रेस बैठकों में जनकल्याण के एजेंडे पर जोर : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में आज राजधानी की सभी 258 ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में मासिक बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें पौधारोपण, रैन बसेरों में कंबल वितरण और लेबर चौक पर मजदूरों की सूची तैयार करने जैसे जनकल्याणकारी एजेंडे तय किए गए।

देवेन्द्र यादव ने बैठकों में शामिल होकर कार्यकर्ताओं, आरडब्ल्यूए , मार्केट एसोसिएशन और जेजे क्लस्टर प्रतिनिधियों से प्रदूषण के खिलाफ अभियान तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक दल होने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को भी पूरी निष्ठा से निभाती रही है, और सरकार की नाकामी के बीच विपक्ष की भूमिका निभाते हुए प्रदूषण नियंत्रण के स्थायी उपाय करना आवश्यक है। बैठकों में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक ब्लॉक में पौधारोपण को बढ़ावा दिया जाएगा, रैन बसेरों में कंबल व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा निर्माण मजदूरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर ठोस कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और वैध मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बीएलए-1 और बीएलए-2 के माध्यम से सतर्कता बरतने पर भी जोर दिया गया।

बरसाना धाम में सामूहिक विवाह की तैयारियां तेज

नई दिल्ली। श्री बरसाना धाम फाउण्डेशन द्वारा 24 जनवरी 2026 को बरसाना धाम में आयोजित होने जा रहे 101 कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों को लेकर आज ऐतिहासिक बिरला मंदिर, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रज प्रभात सेवा संस्थान, छत्रपति शिवाजी समाज कल्याण एवं शिक्षा प्रचार समिति और यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के सहयोग से होने वाले इस आयोजन में कन्याओं के चयन, विवाह सामग्री, आवास, भोजन, अतिथि सत्कार, धार्मिक अनुष्ठान, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं सहित सभी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। फाउण्डेशन के चेयरमैन एवं यूनाईटेड हिन्दू के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह नहीं बल्कि सनातन संस्कृति की सेवा और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के सम्मान व उज्ज्वल भविष्य का पुनीत प्रयास है। उन्होंने बताया कि फाउण्डेशन वर्ष 2017 से अब तक 333 कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न करा चुका है और शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, वृक्षारोपण व निःशुल्क चिकित्सा शिविर जैसे सामाजिक कार्य निरंतर कर रहा है। बैठक में फाउण्डेशन के पदाधिकारी एवं ट्रस्टीगण सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार ने महामारी रोग अधिनियम के तहत रेबीज को अधिसूचित बीमारी घोषित की

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में इंसानों में होने वाले रेबीज को महामारी रोग अधिनियम के तहत अधिसूचित बीमारी घोषित करने की अधिसूचना आज जारी की। इसका मकसद रेबीज की प्रभावी निगरानी को मजबूत करना, इसकी समय पर रिपोर्टिंग और इसे फैलने से रोकने के लिए तेज गति से पब्लिक हेल्थ एक्शन को सक्षम बनाना है। अधिसूचना जारी होने के बाद सभी सरकारी और प्राइवेट हेल्थ केयर संस्थानों, जिनमें मेडिकल कॉलेज और व्यक्तिगत रूप से प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर शामिल हैं, उन्हें इंसानों में रेबीज के संदिग्ध के साथ ही संभावित और कन्फर्म मामलों की सूचना तुरंत संबंधित हेल्थ अथॉरिटीज को देनी जरूरी होगी।

रेबीज, जिसके एक बार लक्षण दिखने के बाद यह लगभग जानलेवा साबित होता है लेकिन समय रहते सही इलाज से इसे पूरी तरह से रोका जा सकता है। रेबीज से जान बचाने और बीमारी को फैलने से रोकने में शुरुआती रिपोर्टिंग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पूरी दिल्ली में लोगों को आसानी से इलाज उपलब्ध हो, इसके लिए फिलहाल दिल्ली के 11 जिलों के 59 स्वास्थ्य संस्थानों में एंटी-रेबीज वैक्सीन (एआरवी) उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि एंटी-रेबीज सीरम/रैबीज़ इम्यूनोग्लोब्युलिन (आरआईजी) दिल्ली के 33 चिह्नित हेल्थ फैसिलिटी एवं अस्पतालों में भी उपलब्ध है। दिल्ली सरकार स्थानीय निकायों, पशुपालन विभाग और अन्य संबंधित स्टेक होल्डर्स के साथ मिलकर रेबीज़ खत्म करने के लिए स्टेट एक्शन प्लान को भी तैयार करने की अंतिम प्रक्रिया में है। दिल्ली सरकार इंसानों के साथ-साथ कुत्तों और दूसरे जानवरों के लिए भी रेबीज वैक्सीनेशन की सुविधाओं को और ज्यादा मजबूत कर रही है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रेबीज एक रोकी जा सकने वाली बीमारी है। इंसानों में रेबीज को अधिसूचित बीमारी घोषित करने से सर्विलांस और ज्यादा मजबूत होगा, बीमारी के जल्दी से पता लगाने में सुधार के साथ समय पर इलाज सुनिश्चित होगा। मंत्री ने कहा कि नोटिफिकेशन जारी होने के तुरंत बाद प्रभावी हो जाएगा और अगले आदेश तक लागू रहेगा। रिपोर्टिंग और कोऑर्डिनेशन के लिए विस्तृत गाइडलाइंस सभी संबंधित विभागों और स्वास्थ्य संस्थानों के साथ बहुत जल्द साझा किए जाएंगे।

जंतर-मंतर पर केवाईएस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए जंतर-मंतर पर आयोजित आक्रोश प्रदर्शन में सक्रिय भागीदारी की। केवाईएस ने आरोप लगाया कि दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार पर कब्ज़ा करने की मंशा से अमेरिका ने वेनेजुएला जैसे संप्रभु देश पर हमला किया और उसके राष्ट्रपति व उनकी पत्नी को अवैध रूप से अगवा कर 'नारको-आतंकवाद' जैसे मनगढ़ंत आरोपों में मुकदमे के लिए अमेरिका ले जाया गया। संगठन ने कहा कि आर्थिक शक्ति के कमजोर पड़ने के साथ अमेरिका साम्राज्यवादी हितों की रक्षा के लिए संप्रभु देशों पर खुले हमले कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। केवाईएस ने यह भी आरोप लगाया कि दशकों के अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला में गरीबी, महंगाई और सामाजिक संकट गहराया, जिसमें हजारों लोगों की जान गई।

सामुदायिक कुत्तों पर वैज्ञानिक नीति की मांग, जंतर मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत देश के 50 से अधिक शहरों में रविवार को नागरिकों, विशेषज्ञों और सार्वजनिक हस्तियों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सामुदायिक कुत्तों के लिए वैज्ञानिक, कानूनी और मानवीय नीति की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सामुदायिक कुत्तों को बड़े पैमाने पर हटाने और शेल्टर में बंद करने की नीति न सिर्फ अवैज्ञानिक है, बल्कि इससे रेबीज नियंत्रण प्रयास कमजोर होंगे, शहरी पारिस्थितिकी असंतुलित होगी और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब व वंचित तबकों पर पड़ेगा।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में मीडिया में आई भ्रामक और सनसनीखेज खबरों ने भय का माहौल बनाया। जिस रिपोर्ट के आधार पर मौजूदा सुओ मोटो कार्यवाही शुरू हुई, उसमें एक बच्चे की दुखद मौत को गलत तरीके से रेबीज से जोड़ा गया, जबकि बाद में आधिकारिक रिकॉर्ड ने इस दावे को खारिज कर दिया। इसके बावजूद, इसी गलत जानकारी को आधार बनाकर लाखों जानवरों और लोगों को प्रभावित करने वाले निर्देश जारी किए गए। देशभर के 2000 से अधिक नागरिकों द्वारा हस्ताक्षरित एक खुले पत्र में मेगा-शेल्टर मॉडल पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

पत्र पर फिल्मकार मीरा नायर, अभिनेत्री स्वरा भास्कर, वरिष्ठ पत्रकार मार्क टली और कठपुतली कलाकार दादी पदमजी जैसे कई प्रतिष्ठित नामों के साथ डॉक्टर, पशु चिकित्सक, वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यह मॉडल हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक बोझ डालेगा, जबकि इससे सार्वजनिक सुरक्षा बेहतर होने का कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

संपादकीय

उपभोक्ता का सुरक्षा कवच

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा।

भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यहां बारहों महीने उत्सव चलते हैं। 6 ऋतुएं हैं। प्रत्येक ऋतु के अपने उत्सव हैं। वर्षा और बसंत प्रकृति प्रायोजित उत्सव हैं। शिशिर और हेमंत का क्या कहना। होली सनातन उल्लास है। व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र की भी ऊर्जा होती है। जैसे मनुष्य अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं, वैसे ही समाज और राष्ट्र को स्वस्थ रखने के प्रयास जरूरी हैं और यह प्रयास संस्कृतिधर्मा लोगों द्वारा किया जाता रहता है। उत्स का अर्थ होता है मूल। उत्सव का अर्थ है देश के मूल से जुड़ी सामाजिक सक्रियता। संस्कृति मनुष्य की रचना है। संस्कृति का निर्माण सतत प्रवाही प्रक्रिया है। भारत के मन की संस्कारमय संस्कृति प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है। भारत की संस्कृति का जन्म और विकास ज्ञान व दर्शन की परंपरा से हुआ है। भारतीय दर्शन में बुद्ध और जैन को मिलाकर आठ दार्शनिक धाराएं हैं। भारत के राष्ट्रजीवन के सभी धाराओं ने प्रभावित किया है। कपिल का सांख्य दर्शन अनिश्वरवादी माना जाता है। बुद्ध व जैन दर्शन भी ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। अद्वैत वेदांत का प्रभाव काफी बड़ा है।

तीर्थाटन और पर्यटन में अंतर

-कांतिलाल मांडोत-

भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मा है। यहां बारहों महीने उत्सव चलते हैं। 6 ऋतुएं हैं। प्रत्येक ऋतु के अपने उत्सव हैं। वर्षा और बसंत प्रकृति प्रायोजित उत्सव हैं। शिशिर और हेमंत का क्या कहना। होली सनातन उल्लास है। व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र की भी ऊर्जा होती है। जैसे मनुष्य अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं, वैसे ही समाज और राष्ट्र को स्वस्थ रखने के प्रयास जरूरी हैं और यह प्रयास संस्कृतिधर्मा लोगों द्वारा किया जाता रहता है। उत्स का अर्थ होता है मूल। उत्सव का अर्थ है देश के मूल से जुड़ी सामाजिक सक्रियता। संस्कृति मनुष्य की रचना है। संस्कृति का निर्माण सतत प्रवाही प्रक्रिया है। भारत के मन की संस्कारमय संस्कृति प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है। भारत की संस्कृति का जन्म और विकास ज्ञान व दर्शन की परंपरा से हुआ है। भारतीय दर्शन में बौद्ध और जैन को मिलाकर आठ दार्शनिक धाराएं हैं। भारत के राष्ट्रजीवन के सभी धाराओं ने प्रभावित किया है। कपिल का सांख्य दर्शन अनिश्वरवादी माना जाता है। बुद्ध व जैन दर्शन भी ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। अद्वैत वेदांत का प्रभाव काफी बड़ा है। अद्वैत की धारा शंकराचार्य के पहले से थी, लेकिन शंकराचार्य ने उपनिषदों, गीता और ब्रह्मसूत्र के तत्वों के आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत को मिथ्या कहा है। वे घर बैठ तर्क का आनंद उठाने वाले कार्यकर्ता नहीं थे। शंकराचार्य ने देश की एकता को देखते हुए चार धामों की घोषणा की। उन्होंने उत्तर में ऊंचे पहाड़ों पर बद्रीनाथ धाम की स्थापना की और पश्चिम में द्वारका की। पूरब में जगन्नाथ पुरी की और दक्षिण में रामेश्वरम की। चारों स्थान पहले बहुत प्रतिष्ठित नहीं थे लेकिन शंकर की घोषणा के बाद वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गए। भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्रायः किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है। ऋषिकेश की पहाड़ियों के दरश परश से मन संगीतमय हो जाता है। ऋग्वेद में नदियों से पर उतरने के लिए उथले स्थल को तीर्थ बताया गया है। जहां से हम आसानी से नदी पार कर सकते हैं। उपासना परंपरा में किसी देवता के नाम से चले आ रहे पुण्य स्थान तीर्थ कहलाते हैं। कुंभ (प्रयागराज) में सारी दुनिया के लोग आते हैं। करोड़ों लोगों का यह एकत्रीकरण गंगा, जमुना व सरस्वती का संगम बनता है। प्रयागराज दुनिया का आकर्षण है। ऐसे ही हरिद्वार, रामेश्वरम, तिरुपति, कांचीपुरम आदि अनेक स्थलों पर तीर्थ यात्री भूखे-प्यासे चले जाते हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी ऐतिहासिक तीर्थ हैं। काशी में शिव दर्शन के लिए लाखों लोग आते हैं। वैसे भारतीय दर्शन में तीर्थाटन की तुलना में दर्शन को ज्यादा श्रेष्ठ बताया गया है। शंकराचार्य ने एकमात्र ब्रह्म की सत्ता को सत्य मानते हुए कर्मकांड को भी उचित बताया है। उन्होंने काशी के प्रवास में अपना दर्शन सबको बताया था। ब्रह्म को एकमात्र सत्य और संसार को मिथ्या बताने वाले आचार्य शंकर के दर्शन ने परवर्ती संतों का ध्यान भी आकर्षित किया था। शंकराचार्य जगत को मिथ्या बताते थे। भारत स्वयं में एक तीर्थ है। सारी दुनिया को परिवार बताने वाला यह राष्ट्र शंकराचार्य जैसे दार्शनिकों की जन्मस्थली और कर्मस्थली है। आवागमन के साधन बढ़े हैं। शंकराचार्य के समय न साइकिल थी न रेल। आश्चर्य है कि आचार्य ने कैसे भारत भ्रमण किया होगा? अब आवागमन के व्रतगामी साधन बढ़े हैं। हजारों किलोमीटर की दूरी अल्प समय में तय की जा सकती है। आधुनिक सभ्यता के दबाव में देश के लोगों का एक वर्ग तनाव में रहता है। वह तीर्थाटन का मजा नहीं लेता। पर्यटन को महत्व देता है। पर्यटन से मानसिक शांति नहीं मिलती। तीर्थाटन से लौटे परिवार आनंद से भरे-पूरे दिखाई पड़ते हैं। भारत राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरा-पूरा है। पर्यटन उद्योग बन गया है। पर्यटन की दृष्टि से महात्मा गांधी के जन्म और कर्म स्थान साबरमती जाना अपने आप में जीवंत अनुभव है। सरदार पटेल की प्रतिमा केवड़िया, गुजरात में दर्शनीय है। डॉक्टर आम्बेडकर के दिल्ली सहित कई स्थानों पर बने स्मारक दर्शनीय हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणास्थल भी दर्शनीय है। यज्ञ में काफी धन लगता था। इसलिए पुण्य प्राप्त करने के लिए यज्ञ का विकल्प तीर्थ यात्रा बताया गया है। महाभारत वन पर्व के 42वें अध्याय में यज्ञ के विकल्प की चर्चा की गई है। पुलस्त्य भीष्म से कहते हैं कि, "ऋषियों के अनुसार यज्ञ करने से इस लोक और परलोक में फल मिलता है। परंतु गरीब मनुष्य यज्ञों का अनुष्ठान नहीं कर सकते। उनके पास साधन नहीं होते। इसलिए जो साधनहीन हैं, वे तीर्थ यात्रा कर सकते हैं। तीर्थ यात्रा को यज्ञ के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहते हैं, "मनुष्य तीर्थ यात्रा से जो फल पाता है वह बड़े से बड़े यज्ञों से नहीं मिलता।" महाभारत के रचनाकाल में ज्यादातर तीर्थ कुरुक्षेत्र के आसपास थे। पुष्कर तीर्थ का महत्व बताते हुए कहते हैं, "पुष्कर में दस सहस्त्र कोटि तीर्थ का निवास रहता है।" यहां पुष्कर तीर्थ का महत्व बताने कि लिए दस खरब तीर्थों की उपस्थिति बताई गई है। बताते हैं कि पुष्कर में ब्रह्मा जी नित्य निवास करते हैं। यहां स्नान करने से अश्वमेघ यज्ञ का दस गुना फल मिलता है। पुष्कर तीर्थ ब्रह्मा से जुड़ा हुआ है। महाकाल (उज्जैन) में शिव के दर्शन से हजार गोदान का फल मिलता है। ऐसी बहस बहुत सी नदियां हैं, जिनमें स्नान करने से यज्ञ के फल मिलते हैं। नर्मदा सहित अनेक नदियों में स्नान से यज्ञों के फल मिलते हैं। महाभारत के रचनाकाल में सरस्वती पर्याप्त जल से भरी हुई दिखाई पड़ती हैं। ये बाद में सूखीं। सिंधु और सागर के मिलन स्थल पर स्नान करने से वरुण लोक मिलता है। सरस्वती ऋग्वेद के ऋषियों की प्रिय नदीतमा हैं। पुलस्त्य कहते हैं कि वायु द्वारा उड़ा कर लाई गई कुरुक्षेत्र की धूल से मनुष्य को परम गति मिल जाती है। जो यहां नहीं रहते कुरुक्षेत्र जाने की इच्छा करें। तीर्थ की प्रशंसा मजेदार है। बताते हैं भूमंडल के निवासियों के लिए नैमिष, अंतरिक्ष निवासियों के लिए पुष्कर और तीनों लोकों के निवासियों के लिए कुरुक्षेत्र तीर्थ है। देवी उपासना भारत में वैदिक काल से स्पष्ट दिखाई देती है। ऋग्वेद में जल माताएं हैं। वन देवी हैं। उत्तर प्रदेश का विंध्याचल देवी उपासना का महत्वपूर्ण केन्द्र है। मध्य प्रदेश का दतिया और असम के गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शनार्थ पूरे देश से श्रद्धालु आते हैं। तीर्थाटन से मिलने वाले लाभ व हानि पर आग्रही बहस चलना जरूरी नहीं है। मुख्य बात है देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भारत भक्तों का आवागमन। शंकराचार्य ने इसीलिए चारों धामों की स्थापना की थी। प्रत्येक तीर्थ के साथ अविश्वसनीय कथाएं चलती हैं। इन्हें बड़े सरल ढंग से अंधविश्वास कहा जा सकता है लेकिन पर्यटन का विकल्प तीर्थाटन ही है।

बदलते समाज, कानून और अपराध की नई तस्वीर

-कांतिलाल मांडोत-

भारतीय जेलों में महिला कैदियों की संख्या में आई तेज़ बढ़ोतरी केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज, कानून व्यवस्था और सामाजिक संरचना में आए गहरे बदलावों का संकेत है। हाल में जारी इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च आईसीपीआर की रिपोर्ट वर्ल्ड फीमेल इम्प्रिजनमेंट लिस्ट बताती है कि पिछले दो दशकों में भारतीय जेलों में महिलाओं की संख्या पुरुषों और सामान्य जनसंख्या की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी है। वर्ष 2000 में जहां महिला कैदियों की संख्या 9, 089 थी, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 23, 772 हो गई। यह 162 प्रतिशत की वृद्धि है, जबकि इसी अवधि में पुरुष कैदियों की संख्या 77 प्रतिशत बढ़ी और देश की कुल आबादी में लगभग 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है।

क्या महिलाएं पहले की तुलना में ज्यादा अपराध करने लगी हैं, या फिर कानून और समाज की नजर महिलाओं पर पहले से अधिक सख्त हो गई है। क्या यह बदलाव महिलाओं की बढ़ती स्वतंत्रता और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी का अनचाहा परिणाम है, या फिर सामाजिक-आर्थिक दबावों का असर है। इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है, क्योंकि महिला अपराध और महिला कैदियों की बढ़ती संख्या समाज के स्वास्थ्य का आईना होती है। स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दशकों में भारतीय समाज की संरचना अपेक्षाकृत पारंपरिक थी। महिलाओं की भूमिका मुख्य रूप से घर-परिवार तक सीमित मानी जाती थी। शिक्षा और रोजगार में उनकी भागीदारी सीमित थी और सार्वजनिक जीवन में उनकी मौजूदगी कम दिखाई देती थी। उस दौर में महिला अपराध की घटनाएं कम थीं और जो मामले सामने आते भी थे, वे अधिकतर घरेलू विवाद, पारिवारिक झगड़े या परिस्थितिजन्य अपराधों से जुड़े होते थे। समाज और कानून दोनों ही महिलाओं को अपराधी के रूप में देखने से कतराते थे। यह धारणा प्रचलित थी कि महिला अपराध स्वभाव से नहीं, बल्कि मजबूरी या किसी पुरुष के प्रभाव में होता है।

न्यायिक व्यवस्था में भी महिलाओं के प्रति एक प्रकार की नरमी देखने को मिलती थी। जमानत, सजा और विचाराधीन मामलों में महिलाओं को अक्सर राहत मिल जाती थी। सामाजिक सोच यह मानती थी कि महिला को सुधार की जरूरत है, न कि कठोर दंड की। यही वजह थी कि महिला कैदियों की संख्या लंबे समय तक सीमित रही। लेकिन इक्कीसवीं सदी के साथ भारत तेजी से बदला। शहरीकरण, औद्योगीकरण और वैश्वीकरण ने सामाजिक ढांचे को नई दिशा दी। महिलाएं शिक्षा, रोजगार, व्यापार और राजनीति में आगे बढ़ीं। उन्होंने घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियां संभालीं। यह बदलाव सकारात्मक था और आज की महिला पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनी। लेकिन इसी बदलाव के साथ अपराध की दुनिया का स्वरूप भी बदला और महिलाओं की भूमिका उसमें बढ़ने लगी। आईसीपीआर रिपोर्ट के अनुसार, आज महिलाएं संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, आर्थिक अपराध और साइबर अपराध जैसे मामलों में अधिक संख्या में सामने आ रही हैं। यह बदलाव दर्शाता है कि अपराध अब केवल हाशिए पर खड़े लोगों की मजबूरी नहीं रहा, बल्कि एक संगठित और नेटवर्क आधारित गतिविधि बन चुका है। इन नेटवर्कों में महिलाओं को कम संदेहास्पद मानकर इस्तेमाल किया जाता है, जिससे वे अपराध के जाल में फंस जाती हैं। इसके साथ ही न्यायिक रुझान में भी बड़ा बदलाव आया है।

कानून के सामने समानता के सिद्धांत को अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। अब महिला और पुरुष अपराधियों के बीच भेदभाव कम हुआ है। जहां पहले महिला होने के कारण राहत मिल जाती थी, वहीं अब अपराध की प्रकृति के आधार पर सजा तय की जा रही है। यह समानता जरूरी है, लेकिन इसका असर आंकड़ों में महिला कैदियों की संख्या बढ़ने के रूप में भी दिख रहा है। महिला अपराध के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण काम कर रहे हैं। तेजी से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और असमान विकास ने समाज के कमजोर वर्गों पर दबाव बढ़ाया है। महिलाएं, खासकर शहरी झुग्गियों और ग्रामीण इलाकों की महिलाएं, आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं। रोजगार के सीमित अवसर और कम आय उन्हें अवैध गतिविधियों की ओर धकेल देते हैं। कई मामलों में महिलाएं अपराध की मुख्य योजनाकार नहीं होतीं, बल्कि किसी बड़े गिरोह का हिस्सा बन जाती हैं। पारिवारिक और सामाजिक टूटन भी एक बड़ा कारण है।

संयुक्त परिवारों का विघटन, घरेलू हिंसा, तलाक और अकेलेपन ने महिलाओं को मानसिक रूप से कमजोर किया है। कई महिलाएं अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए गलत रास्ते चुन लेती हैं। इसके अलावा शिक्षा और कानूनी जागरूकता की कमी भी महिला अपराध को बढ़ावा देती है। कई बार महिलाएं यह समझ ही नहीं पातीं कि वे जिस गतिविधि में शामिल हैं, वह गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। हाल के वर्षों में बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सघन अभियानों के कारण भी महिला कैदियों की संख्या बढ़ी है। अनुमान के अनुसार, केवल पश्चिम बंगाल की जेलों में 358 बांग्लादेशी महिलाएं कैद हैं। यह स्थिति सीमा सुरक्षा, अवैध प्रवासन और मानव तस्करी जैसे मुद्दों को भी उजागर करती है। इन महिलाओं में से कई तस्करी का शिकार होती हैं, लेकिन कानून की नजर में वे अपराधी बन जाती हैं। महिला कैदियों की बढ़ती संख्या ने जेल प्रशासन के सामने भी नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पुरुष प्रधान जेल व्यवस्था महिलाओं की विशेष जरूरतों को पूरा करने में अभी भी पीछे है। गर्भवती महिला कैदियों, बच्चों के साथ रहने वाली महिलाओं, मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले रही हैं। जेलों में पुनर्वास और सुधार की व्यवस्था कमजोर होने के कारण कई महिलाएं जेल से बाहर आने के बाद फिर से अपराध की दुनिया में लौट जाती हैं। इस समस्या का समाधान केवल सख्त कानून या ज्यादा जेलें बनाकर नहीं निकाला जा सकता। महिला अपराध को समझने के लिए हमें समाज की जड़ों तक जाना होगा।

महिलाओं के लिए स्थायी रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तिकरण बेहद जरूरी है। जब महिलाओं के पास सम्मानजनक आजीविका के साधन होंगे, तो वे अपराध की ओर कम आकर्षित होंगी। इसके साथ ही कानूनी जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है, ताकि महिलाएं अनजाने में अपराध का हिस्सा न बनें। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी में महिलाओं का इस्तेमाल करने वाले गिरोहों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। महिलाओं को मोहरे की तरह इस्तेमाल करने वालों को कानून का कड़ा संदेश मिलना जरूरी है। जेलों में भी सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श के जरिए महिला कैदियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने का अवसर देना होगा। आज की महिला पहले की महिला से अलग है। वह अधिक शिक्षित, अधिक स्वतंत्र और अधिक मुखर है।

हर साल मकर संक्रांति पर तिल भर बढ़ता शिवलिंग का आकार

भक्त अपने मनचाहे रूप में भगवान शिव की आराधना कर सकते हैं। हमारे देश के अलग-अलग मंदिरों में मौजूद शिवलिंग स्वयं इस बात की गवाही देते हैं। ऐसा ही एक मंदिर वाराणसी में स्थित है, जो हर साल तिल बराबर बढ़ता है। मान्यता है कि हर साल शिवलिंग के आकार में परिवर्तन देखा जाता है। इस शिवलिंग का संबंध सतयुग से माना जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से भगवान शिव और माता पार्वती का संयुक्त आशीर्वाद मिलता है और जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। मान्यता है कि इसी मंदिर में ही मां शारदा ने तपस्या की थी। काशी विश्वनाथ मंदिर से 2 किलोमीटर दूर पांडे हवेली की गली में भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित बाबा तिलभांडेश्वर महादेव का मंदिर है। मंदिर के नाम से साफ है कि बाबा का संबंध तिल से है और कोई भी इच्छा पूरी होने पर बाबा को तिल अर्पित किए जाते हैं। यहां का शिवलिंग बाकी मंदिरों से काफी अलग है। शिवलिंग का आकार किसी गुंबद की तरह है और इस पर बड़ी सी गोल आकृति भी बनी है। माना जाता है कि भगवान शिव बाबा तिलभांडेश्वर के रूप में भक्तों को सुख और समृद्धि प्रदान करते हैं। मंदिर 2500 वर्ष पुराना है और इसका अस्तित्व सतयुग से है। कहा जाता है कि पहले शिवलिंग सामान्य आकार का हुआ करता था, लेकिन द्वापर युग तक शिवलिंग का आकार बढ़ता गया। कलयुग में प्रवेश के साथ भक्तों ने बाबा के बढ़ते रूप को लेकर चिंता व्यक्त की और उनसे प्रार्थना की कि वे अपना आकार स्थिर कर लें। भक्तों की प्रार्थना को बाबा ने स्वीकार किया और साल में एक बार, सिर्फ मकर संक्रांति पर तिलभर बढ़ने का वचन दिया। उस समय से लेकर अब तक बाबा साल में एक बार अपना आकार बदलते हैं। मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग 3.5 फीट का है, जबकि उसका व्यास 3 फीट है। मंदिर के इतिहास को मां शारदा से जोड़कर भी देखा गया है। माना जाता है कि इस मंदिर में मां शारदा ने तपस्या की थी और भगवान शिव को प्रसन्न कर वरदान पाया था। काशी को दो भागों में विभाजित माना जाता है, जिसमें एक है काशी खंड और दूसरी है केदार खंड। बाबा तिलभांडेश्वर महादेव का मंदिर केदारखंड में स्थित है। बाबा विश्वनाथ और महामृत्युंजय काशी खंड के स्वामी हैं। तिलभांडेश्वर, केदारेश्वर और कई अन्य महत्वपूर्ण शिवालय केदार खंड में स्थित हैं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1592- मुगल शासक शाहजहां का लाहौर (अब पाकिस्तान) में जन्म।
1659- खाजवाह की लड़ाई में औरंगजेब ने शाह शुजा को हराया।
1671- छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों से सल्हर क्षेत्र को अपने कब्जे में किया।
1890- अधिवक्ता ज्ञानेन्द्र मोहन टैगोर का निधन।
1900- आयरलैंड के राष्ट्रवादी नेता जॉन एडवर्ड रेडमोंड ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया।
1934- भारतीय जनता पार्टी के नेता मुरली मनोहर जोशी का जन्म।
1941- क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी का भोपाल में जन्म।
1955- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कलकत्ता(अब कोलकाता) में जन्म।
1957- केंद्रीय ब्रिकी कर अधिनियम प्रभाव में आया।
1970- चीन के यून्नान प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता वाले भूकंप से 15000 लोगों की मौत।
1993- करीब 85,000 टन कच्चा तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर शेटलैंड द्वीप के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।
1999- विक्टर जॉय वे पेरू के प्रधानमंत्री मनोनीत किये गए।
2000- अंतरराष्ट्रीय फ़ुटबाल एवं सांख्यिकी महासंघ ने 'पेले' को शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया।
2003- अल्जीरिया में विद्रोहियों के हमले में 43 सैनिक मरे।
2006- भारत और नेपाल ने पारगमन संधि की अवधि को 3 महीने के लिए बढ़ाया।
2007- तंजानिया की विदेश मंत्री आशा रोज मिगरो संयुक्त राष्ट्र की उपमहासचिव नियुक्त।
2008- यूरोपीय संघ (ईयू) ने पाकिस्तान में चुनाव पर्यवेक्षण अभियान पूर्णरूप से शुरू किया।
2009- नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
2014- भारतीय संचार उपग्रह जीसैट-14 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया।

जीवन को तिरोहित कर रहा है शहरों में प्रदूषण

-मनोज कुमार अग्रवाल-

देश के अनेक शहर कस्बों में अब वायु प्रदूषण इस खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि स्वांसो पर संकट गहरा रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन अब स्थिति कितनी भयावह हो चुकी है, इसका अंदाजा इस से लगाया जा सकता है कि लोगों को मजबूरी में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन तक करना पड़ रहा है। पिछले दिनों नागरिक साफ हवा की मांग लेकर सड़कों पर उतरे, तो यह सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन नहीं था, यह उस शहर की पुकार थी, जो हर साल अपने बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों को प्रदूषण की भेंट चढ़ते देख रहा है।

हर साल दीवाली और पराली जलाने के बाद प्रदूषण की समस्या बनती रही है लेकिन इस साल दीवाली के दो महीने बाद भी राजधानी नईदिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहर कस्बों का प्रदूषण स्तर चरम पर बना हुआ है सवाल यह है कि सरकारें आखिर कब तक आंखें मूंदे रहेंगी? केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार पहुंच चुका है। आईटीओ जैसे इलाकों में यह 498 तक दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी की सीमा से भी आगे है। वजीरपुर, बवाना, विवेक विहार, रोहिणी और नेहरू नगर में हालात लगभग समान हैं। एनसीआर के शहरों में भी स्थिति बेहतर नहीं है, नोएडा 391, गाजियाबाद 387, गुरुग्राम 252 पर है। इसका मतलब यह है कि दिल्ली-एनसीआर अब गैस चैंबर में तब्दील हो चुका है। इसके बावजूद सरकार ने अब तक ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के तीसरे चरण की पाबंदियां लागू नहीं की हैं, यानी निर्माण कार्य, ट्रक प्रवेश और डीजल जेनरेटरों पर प्रतिबंध अब तक टाले जा रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपदा है। विशेषज्ञों के अनुसार वायु प्रदूषण अब सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि यह कण शरीर में प्रवेश कर खून के जरिए लीवर, किडनी और अन्य अंगों तक पहुंच रहे हैं। जिन लोगों को पहले से हृदय, अस्थमा, किडनी या लिवर की बीमारी है, उनके लिए यह हवा मौत का फरमान साबित हो सकती है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, अस्थमा, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज के केस तेजी से बढ़े हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों में न्यूरो डेवलपमेंट डिसेबिलिटी जैसी समस्याएं भी अब आम होती जा रही हैं। इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन के अनुसार, साल 2023 में दिल्ली में करीब 17, 188 लोगों की मौत प्रदूषित हवा के कारण हुई। यानी हर सात में से एक व्यक्ति की मौत का कारण अब वायु प्रदूषण है। यह आंकड़ा 2018 के मुकाबले कहीं अधिक है, जब यह संख्या 15, 786 थी। इतना ही नहीं, हाई ब्लड प्रेशर से 14, 874 मौतें और मधुमेह (हाई फास्टिंग प्लाज्मा ग्लुकोज) से 10, 653 मौतें दर्ज की गई। लेकिन प्रदूषण से होने वाली मौतें इन दोनों से भी ज्यादा हैं, बताता है कि यह सिर्फ एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि एक जनस्वास्थ्य संकट बन चुकी है। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र का कहना है कि वायु प्रदूषण अब दिल्ली के लिए उतना ही बड़ा खतरा है जितना किसी महामारी का प्रकोप। जब तक विज्ञान-आधारित नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक दिल्ली एक गैस चेंबर बनी रहेगी। इतने भयावह हालात के बावजूद सरकार की ओर से ठोस कदमों की कमी दिखती है। जनता के धैर्य की सीमा अब खत्म हो रही है।

इसलिए रविवार को जब सैकड़ों नागरिक इंडिया गेट पर इकट्ठा हुए, तो यह केवल पर्यावरण के लिए नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष था। लोगों ने नारे लगाए हमें सांस दो, साफ हवा हमारा अधिकार है, जीना है तो कुछ करना होगा। दरअसल दिल्ली का प्रदूषण कई स्त्रोतों से आता है, पराली जलना, वाहन उत्सर्जन, धूल, औद्योगिक धुआं और निर्माण कार्य। पराली पर हर साल वही बहस दोहराई जाती है, लेकिन व्यावहारिक समाधान अब तक नहीं निकला। सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने, ई-वाहनों को प्रोत्साहन देने और निर्माण स्थलों पर सख्त निगरानी जैसे कदम अभी भी आधे अधूरे हैं। सरकारें केंद्र और राज्य में एक-दूसरे पर आरोप लगाती रहती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि दिल्ली की हवा किसी राजनीतिक सीमा को नहीं मानती। यह पूरे एनसीआर की समस्या है और इसका हल भी सामूहिक जिम्मेदारी से ही निकलेगा। यह समय कमेटी बनाने का नहीं, बल्कि कार्रवाई करने का है। स्कूल बंद करने या दफ्तरों को वर्क फ्रॉम होम पर भेजने से समस्या अस्थायी रूप से टल सकती है, लेकिन खत्म नहीं होती।

सरकार को दीर्घकालिक कदम उठाने होंगे, जैसे कि सर्दियों से पहले प्रदूषण नियंत्रण के लिए एयर-कलिटी एक्शन प्लान को सफिय करना, निर्माण स्थलों पर स्वचालित मॉनिटरिंग, डीजल वाहनों पर सख्त नियंत्रण, और पराली प्रबंधन के लिए किसानों को प्रोत्साहन देना। साफ हवा केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह मानव अधिकार का सवाल है। जब दिल्ली के नागरिकों को हर सांस के साथ अपने स्वास्थ्य की कीमत चुकानी पड़ रही है, तो यह लोकतंत्र के लिए भी शर्म की बात है। दिल्ली की हवा अब एक अदृश्य हत्यारा बन चुकी है, जो धीरे-धीरे, चुपचाप हर घर में दस्तक दे रही है। डॉक्टर, रिसर्चर और पर्यावरणविद् सभी चेतावनी दे चुके हैं कि अगर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले सालों में यह शहर रहने लायक नहीं बचेगा। सरकारों को समझना होगा कि जनता की यह लड़ाई सिर्फ एक दिन की प्रोटेस्ट फोटो नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की लड़ाई है। आज अगर हम सांस नहीं ले पा रहे, तो कल शायद बोल भी न पाएं। हकिकत यह है कि सरकारें बदलती रहें, नीतिर्यां बनती रहें, लेकिन जब तक राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक जवाबदेही नहीं होगी, तब तक दिल्ली का आसमान धुएं में डूबा रहेगा। अब वक्त है कि स्वच्छ हवा को एक मौलिक अधिकार की तरह लागू किया जाए क्योंकि अगर सांस ही नहीं बची, तो शासन और राजनीति दोनों बेअर्थ हैं।

दिल्ली को बचाना अब सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक आपातकालीन जिम्मेदारी है, और यह जिम्मेदारी हर नागरिक, हर नेता, हर संस्थान की है। दिल्ली की हवा अब सिर्फ एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि जीवन-मृत्यु का प्रश्न बन चुकी है। यह लोकतंत्र का दर्पण है, जो हमें बताता है कि अगर नागरिक अपने ही शहर में सांस लेने को मजबूर हों, तो विकास का सारा शोर बेमानी है। इसलिए उम्मीद यही की जानी चाहिए कि अब केंद्र और राज्य मिलकर दिल्ली में ऐसी नीतियां बनायें जिससे लोगों के सांसों पर जो संकट मंडरा रहा है उस से निजात दिलाने में मदद मिले।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान वास्तव में भ्रष्टाचार बचाओ संग्राम : शिवराज चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने कांग्रेस पर मनरेगा बचाने की लड़ाई के नाम पर भ्रष्टाचार के संरक्षण का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ग्राम, काम और राम से परेशानी है। शिवराज चौहान ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सरकार की नई योजना ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी योजना में 125 दिन की कानूनी रोजगार गारंटी, काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता, भुगतान विलंब पर दंड और 1.51 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है, जिसमें केंद्र सरकार 95,600 करोड़ रुपये देगी।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ग्रामीण विकास में 8.48 लाख करोड़ रुपये निवेश किया, जबकि यूपीए शासन में 2 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए। सोशल ऑडिट में 10.91 लाख से अधिक शिकायतें मनरेगा फर्जीवाड़े का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि अब ग्राम पंचायतें खुद तय करेंगी कि गांव में कौन-सा विकास कार्य होगा और दिल्ली से निर्णय थोपने का दौर खत्म हो गया है। योजना में प्रशासनिक व्यय 6 फीसदी से बढ़ाकर 9 फीसदी किया गया है, जिसके लिए 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि रोजगार सहायकों, तकनीकी स्टाफ और मेट्स के समय पर मानदेय हेतु रखी गई है। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 1,51,282 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत जल संरक्षण, सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, अस्पताल, खेत-तालाब, चेक डैम, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन और एफपीओ संरचना जैसे स्थायी कार्य कराए जाएंगे। काम केवल मिट्टी खोदने तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वास्तविक विकास की नींव रखेगा। कृषि और रोजगार में संतुलन के लिए कार्य पीक कृषि सीजन के अनुरूप तय किए जाएंगे, ताकि किसान और मजदूर दोनों का हित सुरक्षित रहे। चौहान ने मनरेगा को भ्रष्टाचार का अड्डा बताते हुए कहा कि मजदूरों के नाम पर ठेकेदारों से काम, मशीनों से मजदूरी निकासी, एक ही सड़क को हर साल नया दिखाकर भुगतान और 80 वर्ष तक के मजदूरों के नाम पर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर धन का गबन हुआ।

ग्राम सभाओं के सोशल ऑडिट में 10.91 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं, जो फर्जी मजदूरों के खेल का पर्दाफाश करती हैं। उन्होंने कांग्रेस पर झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने का आरोप लगाते हुए अपील की कि वह देश को गुमराह करना बंद करे और ग्रामीण मजदूरों व गांवों के हित में लाई गई इस ऐतिहासिक योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दे।

1,700 एकड़ से अधिक आरक्षित वन भूमि से अतिक्रमण हटाया गया: हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के होजई जिले में 1,700 एकड़ से अधिक आरक्षित वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शर्मा ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में 1,732.5 एकड़ क्षेत्र में चलाए गए बेदखली अभियान का जिक्र करते हुए कहा, ₹जमुना-मउडांगा आरक्षित वन (आरएफ) में अवैध अतिक्रमण का खेल खत्म (गेम ओवर)।

शांतिपूर्ण, कानूनी और निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से 5,250 बीघा भूमि को पुनः प्राप्त करने के साथ मिशन पूरा हुआ।₹ शर्मा ने कहा, ₹किसी 'चीट कोड' की आवश्यकता नहीं है। इसे चेतावनी समझें: अवैध अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।₹वर्ष 2021 में शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से, कथित अतिक्रमणकारियों से जमीन खाली कराने के लिए कई बेदखली अभियान चलाए गए हैं जिससे मुख्य रूप से बांग्ला भाषी मुस्लिम आबादी प्रभावित हुई है।

शर्मा ने नए साल के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि अब तक 1,45,000 बीघा (47,850 एकड़) भूमि को मुक्त कराने के लिए बेदखली अभियान चलाए गए हैं। पिछले साल तीन नवंबर को मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि अतिक्रमण हटाने के लिए बेदखली अभियान जारी रहेगा और उनकी सरकार के तहत अवैध मियां शांति से नहीं रह सकते।

मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्ला भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी मानते हैं।

छात्रा की मौत: सीएम ने परिवार से बात की, निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकारी कॉलेज में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न और रैगिंग का शिकार होने के बाद 26 दिसंबर को इलाज के दौरान जान गंवाने वाली 19 वर्षीय दलित छात्रा के परिवार को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने शनिवार रात पीड़ित परिवार से फोन पर बात की और उत्पीड़न एवं अन्याय के खिलाफ राज्य सरकार के अडिग रुख पर जोर दिया तथा हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

सुक्खू ने परिवार को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पारदर्शी, गहन और समयबद्ध जांच के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोहराया कि सरकार उनके साथ पूरी तरह से खड़ी है और यह सुनिश्चित करेगी कि सभी दोषियों को कानून के तहत सजा मिले। राज्य सरकार ने शनिवार को धर्मशाला के सरकारी कॉलेज के सहायक प्रोफेसर (भूगोल) अशोक कुमार को इस मामले में निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद यह निर्णय लिया गया। अपनी शिकायत में, छात्रा के पिता ने आरोप लगाया कि 18 सितंबर, 2025 को उनकी बेटी को तीन वरिष्ठ छात्राओं ने पीटा, जबकि कॉलेज के प्रोफेसर ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। छात्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें उसने प्रोफेसर पर मानसिक उत्पीड़न करने, अश्लील हरकतें करने और विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगाया।

लड़की के पिता ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उनकी बेटी गंभीर मानसिक तनाव में चली गई, जिससे उसकी सेहत तेजी से बिगड़ने लगी और 26 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी बेटी की मौत हो गई। प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले के अलावा, तीन छात्राओं पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) और 3(5) के तहत जानबूझकर चोट पहुंचाने और समान मंशा के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रोकथाम) रैगिंग अधिनियम 2009 की धारा 3 के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने रैगिंग रोधी हेल्पलाइन द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए शिकायत दर्ज किए जाने के बाद छात्रा की मौत की जांच के लिए पांच सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने शनिवार को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए हिमाचल प्रदेश पुलिस से पांच दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग और राज्य महिला आयोग ने भी कांगड़ा के पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है।

ओडिशा के ढेंकनाल में पत्थर की अवैध खदान में चट्टान गिरने से दो लोगों की मौत, खदान सील

भुवनेश्वर। ओडिशा के ढेंकनाल जिले में पत्थर की एक अवैध खदान में चट्टान गिरने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम मोटांगा थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के पास स्थित खदान में उस समय की है जब कुछ मजदूर पत्थरों की खुदाई और उन्हें निकालने का काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

एक अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन सेवा, ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और श्वान दस्ते बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। ढेंकनाल के जिलाधिकारी आशीष ईश्वर पाटिल और पुलिस अधीक्षक अभिनव सोनकर बचाव कार्य की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। पाटिल ने

संवाददाताओं से कहा, "उपलब्ध जानकारी के अनुसार, खदान में केवल दो ही लोग मौजूद थे और दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। एक मृतक बालासोर जिले का था, बताया जा रहा है दूसरा क्योंझर या मयूरभंज जिले का रहने वाला था। दोनों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।" उन्होंने बताया कि खदान में विस्फोट की अनुमति सितंबर में समाप्त हो चुकी थी, जबकि खदान की पट्टा अवधि दिसंबर 2025 में समाप्त हो गई थी। पाटिल ने कहा, "पट्टा अवधि समाप्त होने के बाद भी खदान में विस्फोट और खनन जारी रखा गया। इस मामले में खदान के पट्टाधारक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" लिधिकारी ने कहा कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ आने वाले दिनों में अभियान और तेज किया जाएगा। हादसे के बाद पत्थर की खदान को सील कर दिया गया है। तहसीलदार मनोज मांझी ने बताया कि खदान क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि कोई भी व्यक्ति वहां प्रवेश न कर सके।

इस बीच, विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने 'एक्स' पर लिखा, ''ढेंकानाल में पत्थर की खदान में विस्फोट के बाद चट्टान गिरने से श्रमिकों की मौत की खबर से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। दुःख की इस घड़ी में मैं मृतक के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।" पटनायक ने मामले की उचित जांच किए जाने की मांग करते हुए कहा, ''सरकार को बचाव अभियान में तेजी लाने पर तत्काल ध्यान देना चाहिए।"

कश्मीर में शीतलहर तेज, न्यूनतम तापमान में गिरावट

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में एक दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है जिससे पूरे क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप और तेज हो गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियसन नीचे दर्ज किये गए तापमान से कम है। उत्तरी कश्मीर का प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग घाटी में सबसे सर्द स्थान बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग में लगातार दूसरी रात न्यूनतम तापमान शून्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं, दक्षिण कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में यह शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। घाटी के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कोकेरनाग में यह शुन्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में यह शुन्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र इस समय 'चिल्ला-ए-कलां' के दौर से गुजर रहा है। यह 40 दिनों की कड़ाके की ठंड की अवधि होती है और इस दौरान रात का तापमान अक्सर शून्य से कई डिग्री नीचे चला जाता है। हालांकि, वर्तमान आंकड़े (तापमान के) सामान्य पैटर्न से अलग नजर आ रहे हैं. इस अवधि के दौरान आमतौर पर बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसके बावजूद, इस मौसम में अब तक घाटी के मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पांच और छह जनवरी को उत्तर और मध्य कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है।

पुलिस अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार, 40 हजार रुपये बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा के कटक शहर में रविवार को सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने एक थाना प्रभारी को एक लाइसेंस प्राप्त शराब विक्रेता से रिश्वत लेते वक्त गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार पुलिस अधिकारी की पहचान कटक शहर के 'सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सीआरआरआई) थाने के थाना प्रभारी बिजय कुमार बारिक के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने बारिक को उस समय रंगे हाथों पकड़ लिया, जब वह एक लाइसेंस प्राप्त शराब विक्रेता से उसका व्यवसाय सुचारू रूप से चलने देने के बदले में 40,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। उन्होंने बताया कि बारिक के पास से रिश्वत की रकम बरामद कर जब्त कर ली गई है। सतर्कता विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बारिक के दो ठिकानों पर भी छापेमारी की गई। इस दौरान भुवनेश्वर के यूनिट-1 स्थित उसके सरकारी आवास से लगभग पांच लाख रुपये नकद बरामद किए गए। इस संबंध में थाना प्रभारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

स्टरलाइट कॉपर को 'ग्रीन कॉपर प्लांट' के लिए नया आवेदन दाखिल करने की छूट: मद्रास उच्च न्यायालय

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि वेदांता की 'स्टरलाइट कॉपर' इकाई तमिलनाडु में प्रस्तावित 'ग्रीन कॉपर प्लांट' के संबंध में सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष नया आवेदन दाखिल कर सकती है। वेदांता लिमिटेड की ओर से दायर एक रिट याचिका हाल ही में उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए आई, जिसमें तमिलनाडु सरकार को ''मूल प्रक्रिया में बदलाव कर 'ग्रीन कॉपर' पहल शुरू करने से जुड़े उसके अभ्यावेदनों'' पर निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने की। राज्य सरकार की ओर

से पेश वकील ने दलील दी कि पहले सहमति की शर्तों के उल्लंघन और अन्य खामियों के कारण उद्योग को बंद करने की कार्रवाई की गई थी और उस आदेश को ''उच्चतम न्यायालय'' तक चुनौती दी गई थी। उन्होंने कहा कि ''यदि याचिकाकर्ता दोबारा संचालन शुरू करना चाहता है, तो उसे केवल मुख्य सचिव या अन्य विभागीय सचिवों को अभ्यावेदन देने के बजाय सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष उचित आवेदन दाखिल करना होगा।''

राज्य सरकार के वकील ने यह भी बताया कि इसी विषय से जुड़ी वर्ष 2019 में दायर की गई एक अन्य याचिका (फातिमा बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य) अभी न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने मौजूदा याचिका को 2019 की याचिका के साथ 29 जनवरी 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश देते हुए कहा, ''इस याचिका के लंबित रहने से याचिकाकर्ता को सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष नया आवेदन दाखिल करने से नहीं रोका जाएगा और संबंधित प्राधिकारियों को उस पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता होगी।'' उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता पी. आर. कोविलन ने कहा, ''इस आदेश से वेदांता के लिए 'ग्रीन कॉपर प्लांट' स्थापित करने की औपचारिक आवेदन प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।

पर्यावरण पहलों का समर्थन करने वाले एक नागरिक समूह के सदस्य, वकील ने विश्वास व्यक्त किया कि वेदांता का 'ग्रीन कॉपर प्लांट' जब स्थापित हो जाएगा, तो यह साबित कर देगा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता एक साथ मौजूद हो सकते हैं।

उन वार्ड में निकाय चुनाव रद्द कर प्रक्रिया फिर शुरू की जाए, जहां उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए: उद्धव

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को मांग की कि महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव के तहत जिन वार्ड में उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत हुई है, वहां चुनाव रद्द किए जाएं और चुनावी प्रक्रिया फिर से शुरू की जाए। निर्विरोध चुने गए अधिकतर उम्मीदवारों में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दलों के उम्मीदवार हैं। निकाय चुनाव 15 जनवरी को होने हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ मौजूद उद्धव ने दावा किया कि देश में माहौल ऐसा है, ''मानो लोकतंत्र पर भीड़तंत्र ने कब्जा कर लिया है।'' दोनों चचेरे भाइयों ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने गठबंधन का घोषणापत्र जारी किया। राज ठाकरे ने जोर देकर कहा कि मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए और मुंबई और राज्य के अन्य शहरों के महापौर मराठी ही होंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि जब से उनकी सरकार को सत्ता से हटाया गया और एकनाथ शिंदे ने राज्य सरकार की बागडोर संभाली (जून 2022 में), बीएमसी की संपत्ति ठेकेदारों पर लुटाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि अगर बीएमसी का व्यय बजट 15,000 करोड़ रुपये है, तो विभिन्न कार्यों के लिए ठेकेदारों को अग्रिम राशि जुटाने के रूप में तीन लाख करोड़ रुपये देने पड़ेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह तीन लाख करोड़ रुपये का घोटाला है और रिश्वत की रकम का इस्तेमाल नगर निकाय चुनाव के लिए किया जा रहा है। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और महायुति गठबंधन के उसके सहयोगियों ने निर्विरोध 68 सीट पर जीत दर्ज की है। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि वोट चोरी के बाद अब सत्तारूढ़ दल उम्मीदवार भी चुरा रहे हैं।

भैरव फोर्स राजस्थान में तैनात, कमांडो को दी गई ऑपरेशन की ट्रेनिंग

जयपुर में इस साल 14 जनवरी को सेना दिवस परेड में प्रदर्शन करेगी भैरव बटालियन

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा और आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सेना ने एक स्पेशल फोर्स तैयार की है, जिसका नाम 'भैरव' रखा गया है। राजस्थान के नसीराबाद में तैनात यह फोर्स एक लाख से ज्यादा ड्रोन संचालित करेगी, जिसके लिए कमांडो को तैयार किया गया है। इन्हें ड्रोन संचालित करने और दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने की ट्रेनिंग दी गई है, जिससे आज के समय के युद्ध के हालात में भारतीय सेना की काबिलियत बढ़ती है।

नसीराबाद में तैनात भैरव बटालियन के एक कमांडिंग ऑफिसर का कहना है कि आजकल की लड़ाई बहुत तेजी से बदल रही है। आज की लड़ाइयां हाइब्रिड होती हैं और चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक से पूरी तरह लैस होना जरूरी है। इसीलिए भैरव बटालियन को आधुनिक तकनीक, नई सोच और नई ऑपरेशनल जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। भारतीय सेना ने आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक लाख से ज्यादा ड्रोन संचालकों का समूह बनाया है। भैरव बटालियन जयपुर में इस साल 14 जनवरी को सेना दिवस

परेड में अपने प्रदर्शन की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि भैरव बटालियन को युद्ध के नए तौर-तरीकों के लिए प्रशिक्षित किया गया है। बटालियन में विशेष रूप से प्रशिक्षित घातक कमांडो इकाइयां हैं, जिन्हें पारंपरिक पैदल सेना और विशिष्ट पैरा-स्पेशल फोर्सेज के बीच की खाई को पाटने के लिए बनाया गया है, ताकि वे चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तेज, उच्च-प्रभाव वाले और क्रॉस-बॉर्डर ऑपरेशन कर सकें। इनमें आधुनिक तकनीक और ड्रोनों (जैसे अस्त्रों) का इस्तेमाल किया जाता है।

ये बटालियन दुश्मन के ठिकानों पर डीप स्ट्राइक करने, टोही और घुसपैठ करने में माहिर होती हैं, जिससे एलीट स्पेशल फोर्सेज को अधिक जटिल मिशनों के लिए मुक्त रखा जा सके। भारतीय सेना 25 भैरव बटालियन बना रही है, जिनमें से पहली बटालियन पिछले साल नवंबर में तैनाती के लिए तैयार हो गई थी और बाकी को तैयार किया जा रहा है।

सामान्य तौर पर सेनाओं में अलग-अलग हथियारों, सिग्नल आदि की अलग-अलग इकाइयां होती हैं, जिन्हें युद्ध के दौरान सभी को साजो-सामान लेकर डटना होता है। अब नई बनाई गई प्रत्येक भैरव बटालियन में लगभग 250 सैनिक होंगे, जिनमें पैदल सेना, तोपखाने, सिग्नल और वायु रक्षा जैसी विभिन्न शाखाओं के जवान शामिल होंगे। यह जवान विशेष रूप से प्रशिक्षित और सुसज्जित सैनिक तोपखाने से लैस होंगे और उनके पास विमान-रोधी मिसाइलें भी होंगी। सेना की इन्फैंट्री के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने बताया कि भारत अगले छह महीनों में 25 उत्कृष्ट भैरव बटालियन स्थापित करेगा।

पांच भैरव बटालियन गठित कर दी गई हैं और उन्हें इच्छित परिचालन क्षेत्रों में तैनात कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह बल पैदल सेना बटालियनों और विशेष बलों, कमांडो बटालियनों के बीच की खाई को पाटने, चुनौतियों का सामना करने और कार्य को अंजाम देने के लिए बनाया गया है। उन्होंने बताया कि दुश्मनों के कमजोर क्षेत्रों पर तीव्र हमले, आतंकवाद-रोधी अभियानों और सीमा गश्त करना इस विशेष बल के गठन का मुख्य उद्देश्य है।

मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा को लेकर भाजपा पर सपा सांसद सनातन पांडेय ने साधा निशाना

बलिया। बलिया से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद सनातन पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाजवाद से परहेज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर भाजपा की चली, तो वह संविधान से 'समाजवाद' शब्द भी मिटा देगी। पांडेय ने यहां शनिवार रात एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में माघ मेला परिसर स्थित मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के शिविर में सपा संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा को लोकतंत्र व संविधान में विश्वास नहीं है।

उन्होंने कहा, ''नेता जी (मुलायम सिंह यादव) पूरे देश के नेता थे। भाजपा को देश से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा को समाजवाद से परहेज है। अगर भाजपा की चली, तो वह संविधान से समाजवाद शब्द भी मिटा देगी।'' सपा सांसद ने कहा, ''भाजपा

जैसी फासीवादी ताकतें सपा की बढ़ती लोकप्रियता से घबराई हुई हैं। यही वजह है कि वह सपा संस्थापक की प्रतिमा की स्थापना पर प्रतिबंध की बात करती है।''

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने माघ मेला क्षेत्र में स्थित मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के शिविर में सपा संस्थापक की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति नहीं दी है, जिससे सपा नेताओं में नाराजगी है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने हाल में इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा था कि पिछली बार मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा लगाई गई थी, लेकिन अब समाजवादी पार्टी के बढ़ते प्रभाव से घबराकर शिविर में उनकी प्रतिमा लगाने की अनुमति नहीं दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 72वीं सीनियर नेशनल वालीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुअली शुभारंभ किया

नई खेल संस्कृति के साथ उत्तर प्रदेश बना रहा राष्ट्रीय नेतृत्व: सीएम योगी

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले वर्षों में उत्तर प्रदेश और देश में खेल को नई दृष्टि, नए संसाधन और नया आत्मविश्वास मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उभरते "न्यू स्पोर्ट्स कल्चर" ने युवाओं में अनुशासन, फिटनेस और टीम-स्पिरिट को मजबूत किया है। अब खेल सिर्फ शौक नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी चयन-प्रक्रिया और मिशन-मोड पर चल रही योजनाओं के चलते युवा खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़े हैं।

ग्राम पंचायत से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रतियोगिताओं का विस्तार किया गया है। परिणामस्वरूप यूपी के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पहले से कई गुना अधिक भागीदारी और पदक ला रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 72वीं सीनियर नेशनल वालीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुअली शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आयोजन स्थल डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा में मौजूद रहे। उन्होंने यहां खिलाड़ियों व दर्शकों को संबोधित किया।

सीएम की उपस्थिति में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया व उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के मध्य नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) के संचालन के लिए एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। सीएम योगी ने काशी में आई सभी 58 टीमों (30 पुरुष, 28 महिला) के खिलाड़ियों, कोच व ऑफिशियल का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 11- साढ़े 11 वर्ष के अंदर हर भारतवासी ने देश में नई खेल संस्कृति को पनपते देखा है। पीएम मोदी ने 2014 में खेलो इंडिया खेलो के माध्यम से हर भारतवासी के मन में खेल के प्रति सम्मान का भाव पैदा किया। उन्होंने संदेश दिया कि खेल जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम बने। स्वस्थ शरीर से ही सफलता के सभी आयाम प्राप्त किए जा सकते हैं। खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता और हर जनपद में बनने वाले खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से पूरा देश नई खेल संस्कृति का अनुभव कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सांसद-विधायक खेलकूद प्रतियोगिता, ग्रामीण खेलकूद की विभिन्न प्रतियोगिता आदि के माध्यम से हम लोगों ने उत्तर प्रदेश में खेल को बढ़ाया है।

सीएम ने कहा कि 43 वर्ष बाद सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन यूपी के अंदर वाराणसी नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन के पीछे पीएम मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि प्रदेश-देश में खेल का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हुआ है। संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में भी अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर दिख रहा है तो यह पीएम मोदी के विजन का परिणाम है। यह सुविधाएं स्मार्ट सिटी के अंतर्गत विकसित हुई हैं।

अभी उप्र सरकार व साईं के बीच हुए एमओयू के अंतर्गत साई के सानिध्य और कोच के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए नया प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में 8-साढ़े 8 वर्ष में खेलकूद प्रतियोगिता को बढ़ाने का कार्य हुआ। हर गांव में खेल मैदान, हर जनपद में स्टेडियम, हर विकास खंड स्तर पर मिनी स्टेडियम का निर्माण, नगर निकाय व ग्राम पंचायत से होने वाले कार्यों की प्राथमिकता में ओपन जिम निर्माण के साथ ही हर स्तर पर खेलकूद की गतिविधियों को बढ़ाने के प्रयास प्रारंभ हुए हैं। उसी का परिणाम है कि हमारा खिलाड़ी राष्ट्रीय, ओलंपिक, कॉमनवेल्थ व इंटरनेशनल विश्व चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने के साथ ही पहले की तुलना में कई गुना मेडल भी प्राप्त कर रहा है।

महापौर अशोक तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। शुभारंभ समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. सुनील पटेल, त्रिभुवन राम, डॉ. अवधेश सिंह, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण भी किया। यहां जिम और इसके उपकरणों के रखरखाव को देखा। सीएम ने शूटिंग के एक बच्चे को बुलाकर उससे खेल के बारे में पूछा, इस बच्चे ने सीएम के सामने निशाना भी साधा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न खेलों में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों की हौसला अफजाई भी की।

जिस देश में खिलाड़ी आगे होते हैं, वह देश सर्वोच्च शिखर की तरफ अग्रसर होता है: ब्रजेश पाठक

वाराणसी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 72वीं सीनियर नेशनल वालीबॉल चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार किया है। जिस देश में खिलाड़ी आगे होते हैं, वह देश सर्वोच्च शिखर की तरफ अग्रसर होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि मैदान में खेल भावना से खेलना चाहिए, क्योंकि मैदान में उतरने वाला हर खिलाड़ी जीतता है और मैदान के बाहर गले मिलकर नई चुनौतियों के लिए फिर तैयार हो जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेलों के विकास के लिए पीएम मोदी ने नई गंगा बहाई। सभी खेलों का कई गुना बजट बढ़ाया गया। पहले खेल में सिर्फ औपचारिकता होती थी। उप मुख्यमंत्री ने केंद्र-प्रदेश में विकास की योजनाओं का भी जिक्र किया और कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा, बोले-कांग्रेस सरकार में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी भ्रष्टाचार का दाग लगा। अब पीएम मोदी खिलाड़ियों में जज्बा भरते हैं। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स या किसी बड़ी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने और लौटकर आने वाले खिलाड़ियों से पीएम मोदी स्वयं बात करते हैं और दुनिया को संदेश देते हैं कि यह खिलाड़ी हमारे परिवार के सदस्य हैं। इनके सम्मान में कोई कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। उप मुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि प्रदेश सरकार में भी खेल के बजट को कई गुना बढ़ाई गई। मेरठ में मेजर ध्यान चंद के नाम पर विश्वविद्यालय बनाया गया। प्रदेश सरकार द्वारा उच्च पदों पर खिलाड़ियों को सीधी तैनाती भी दी जा रही है। पूरी दुनिया में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता के विजयी खिलाड़ियों के चयन से ही देश की टीम बनेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत माता का परचम फहराएगी।

सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण से बढ़ रहा महिलाओं का आत्मविश्वास : विस अध्यक्ष

कानपुर। समरसता भारतीय सांस्कृतिक मूल स्वभाव है। इस तरह के आयोजनों से पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प और रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने में मदद मिलती है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में आत्मविश्वास और अपनी पहचान बनाने की ललक दिखाई दे रही है। यह बातें रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कही। प्रदेश सरकार की महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर बनाने की नीति को जमीनी स्तर पर उतारते हुए रविवार को मोतीझील लॉन-2 में सरस आजीविका मेला-2026 का शुभारंभ किया गया।

छह जनवरी तक चलने वाले इस मेले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह मेला ग्रामीण महिलाओं को सीधे बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह मेला प्रतिदिन 11 बजे से शाम आठ बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा।

कानपुर नगर से 29 तथा मंडल के अन्य पांच जनपदों से 31 स्टाल लगाए गए हैं। 60 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री कर रही हैं। मेले में स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित सौंदर्य एवं सुगंध उत्पाद, पारंपरिक परिधान, हस्तशिल्प, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, सखी लेदर उत्पाद, जैविक पौध एवं कृषि उत्पाद, स्वच्छता समाधान, सरस स्वाद और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। वहीं प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ का मंत्र ही विकसित भारत की नींव है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर ही आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित भी किया गया।

वन भूमि से अतिक्रमण हटाने गई टीम से झड़प, सात नामजद समेत 57 लोगों पर मुकदमा

मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले के लालगंज क्षेत्र के एक गांव में वन विभाग की जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंचे विभागीय कर्मचारियों से बहस और झड़प के आरोप में सात नामजद समेत 57 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा शनिवार रात जारी बयान के अनुसार, लालगंज थाना क्षेत्र के तेंदुआ खुर्द गांव में तीन जनवरी को वन विभाग के कुछ कर्मचारी विभागीय भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे तभी वहां मौजूद कुछ महिलाओं व अन्य ग्रामीणों से उनकी कहासुनी हो गई, जो बाद में झड़प में बदल गई। वन विभाग के अधिकारी बिनेंद्र यादव ने बताया कि पौधारोपण के लिए वन विभाग की कुछ भूमि पर पहले खुदाई कराई गई थी। उन्होंने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि अवैध कब्जाधारियों द्वारा ट्रैक्टर से उस भूमि की जुताई की जा रही है, सूचना पर जब वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। यादव ने बताया कि इस दौरान कहासुनी और झड़प हुई।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में अजय, सिंटू कोल, सुधाकर यादव और जीरा भारती सहित सात नामजद तथा 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बयान में कहा कि वन विभाग के अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले स्थानीय थाने और राजस्व विभाग के अधिकारियों को कोई सूचना नहीं दी थी।

रेलमार्ग से मथुरा पहुंचे आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत, वृंदावन में सात दिन करेंगे प्रवास

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत आज मथुरा पहुंचे है। मथुरा रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद वे सीधे वृंदावन स्थित केशव धाम के लिए रवाना हो गए। संघ प्रमुख के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने मथुरा रेलवे जंक्शन से लेकर वृंदावन केशव धाम तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये । डॉ भागवत वृंदावन के केशव धाम में सात दिवसीय प्रवास के दौरान संघ की बैठक को संबोधित करेंगे। इसके बाद 8 से 10 जनवरी तक भागवत संगठन के पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रविवार सुबह भोपाल से तेलंगाना सुपर फास्ट ट्रेन से मथुरा जंक्शन पहुंचे। यहां रेलवे स्टेशन पर आरएसएस के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया गया. इसके बाद उनका काफिला वृंदावन के लिए रवाना हो गया।

अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक में संघ के सह सरकार्यवाह सहित लगभग 50 वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। बैठक के दौरान संघ के संचालित विभिन्न प्रकल्पों की समीक्षा, संगठनात्मक गतिविधियों की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही सामाजिक, शैक्षिक और सेवा से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। संघ प्रमुख अपने प्रवास के दौरान अक्षय पात्र संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे। इसके अलावा वे वृंदावन स्थित सुदामा कुटी के शताब्दी समारोह में शामिल होकर संतों और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर सकते हैं। केशव धाम में आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में मीडिया के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि गोपनीय बैठक के माध्यम से 2027 के विधानसभा चुनाव समेत कई बिंदुओं पर चर्चा किए जाने की संभावना है।

आरएसएस प्रमुख की बैठक को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, इसको लेकर सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस टीम रविवार सुबह ही केशव धाम में पहुंचकर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया था।

गोदाम में फंदे से लटका मिला कारोबारी का शव

प्रयागराज। होलागढ़ थाना क्षेत्र के दहियांवा गांव में शनिवार देर रात गोदाम में एक युवा कारोबारी का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह ने बताया कि प्रयागराज के होलागढ़ थाना क्षेत्र के दहियांवा गांव निवासी शुभम केसरवानी हार्डवेयर का कारोबार करता था। शनिवार देर रात घर से गोदाम में गाड़ी खड़ी करने गया और वापस घर नहीं लौटा। देर होती देख परिजन उसे खोजते हुए गोदाम में पहुंचे तो वह फंदे से लटका हुआ मिला। यह देखते ही परिवार के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस टीम का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

अवैध मस्जिद हटाकर कब्जा मुक्त जमीन को 20 गरीबों में की गई आवंटित

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में असमोली थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को मस्जिद कमेटी के खुद ध्वस्त करने के बाद जमीन को जिला प्रशासन ने 20 गरीब व बेसहारा लोगों को आवंटित कर दिया गया। इस अवैध रूप से बनी मस्जिद को ध्वस्त करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आज तक के लिए समय दिया था। प्रशासन से नोटिस मिलने के बाद खुद ही हथौड़ा चलाकर ध्वस्त कर दिया और मलबे को भी हटवा दिया।

रविवार को शासन की टीम गांव पहुंची। टीम ने वहां पर सरकारी जमीन पर बने मदरसे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मुक्त जमीन को गरीब तथा बेसहारा 20 पात्र लोगों को आवंटित किया गया। कार्रवाई के दौरान जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के साथ काफी संख्या में पुलिस कर्मी तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इस संबंध में जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि अवैध रूप से किया गया निर्माण कभी न कभी हटता ही हटता है। यहां पर भी

धारा 67 के अंतर्गत तहसीलदार न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की गई है। इसी क्रम में आज यहां जो मदरसा 4000 वर्ग मीटर में से 1500 स्क्वायर मीटर में बना हुआ था और दुकानें बनाकर कमर्शियल एक्टिविटीज भी की जा रही थी। इन दुकानों से किराया भी वसूला जा रहा था, उनको भी हटा दिया गया है। जो शेष हॉल बना हुआ है उसे भी हटाया जा रहा है। डीएम ने बताया कि कब्जा मुक्त कराई गई जमीन को गरीब तथा बेसहारा 20 पात्र लोगों को आवंटित कर दिया गया है।

बेड पर मिला चांदी कारोबारी का शव, गोली मारकर की गई हत्या

मथुरा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत लाल दरवाजा स्थित तेलीपाड़ा मोहल्ले में रविवार सुबह चांदी कारोबारी की हत्या से सनसनी फैल गई। कारोबारी का खून से लथपथ शव उनके बेड पर पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुला कर साक्ष्य एकत्रित किए। डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया।

एसपी सिटी ने वारदात के राजफाश के लिए पांच टीम गठित की है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। तेलीपाड़ा मोहल्ले में रहने वाले 60 वर्षीय सतीश चंद्र गर्ग अपने मकान में अकेले रहते और चांदी खरीदकर उसे पिघलाकर बेचने का कार्य करते थे। उनका तीन मंजिला मकान है, जिसमें ऊपर और नीचे किरायेदार रहते हैं, जबकि बीच की मंजिल पर वह स्वयं अकेले रहते थे। रविवार सुबह जब काफी देर तक कोई हलचल नहीं हुई तो किरायेदारों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही एसएसपी, एसपी सिटी, सीओ सिटी एवं गोविंद नगर थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो सतीश चंद्र गर्ग का शव खून से लथपथ अवस्था में बेड पर पड़ा मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सोते समय उनकी कनपटी में गोली मारी गई जो आर-पार हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक के चेहरे पर चोट के निशान भी पाए गए हैं, जिससे मामला और अधिक संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। वहीं कमरे में रखी अलमारी खुली होने के कारण लूट के इरादे से हत्या की आशंका जताई जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए, साथ ही डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। मृतक की पत्नी रजनी गर्ग का चार वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। उनके तीन पुत्र मुकुल (पुणे), मयंक (नोएडा) एवं अभिषेक (गुरुग्राम) में नौकरी करते हैं। पत्नी के निधन के बाद से सतीश चंद्र गर्ग मकान में अकेले ही रह रहे थे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पांच पुलिस टीमें गठित की गई हैं और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी आशंका जताई जा रही है कि वारदात में मृतक का कोई परिचित शामिल हो सकता है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

विदेशी पक्षियों से गुलजार हुआ पंचनद, संगम तट पर दिखा प्रकृति का अद्भुत नज़ारा

औरैया। चंबल सेंचुरी क्षेत्र में सर्दी का मौसम शुरू होते ही पंचनद और भरेह संगम विदेशी पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार हो गया है। हजारों किलोमीटर लंबा सफर तय कर सायबेरिया, रूस और मलेशिया से आने वाले ये प्रवासी पक्षी हर साल सर्दियों में यहां डेरा डालते हैं। जैसे ही ठंड बढ़ती है, वैसे ही इन सुंदर और रंग-बिरंगे पक्षियों का आगमन शुरू हो जाता है, जिससे संगम तट का प्राकृतिक सौंदर्य और भी निखर उठता है।

स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए इन विदेशी मेहमानों का कलरव आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। पंचनद और भरेह संगम पर सुबह-शाम पक्षियों के झुंड उड़ान भरते और जल में विचरण करते दिखाई देते हैं। बताया जाता है कि अपने मूल देशों में कड़ाके की ठंड और बर्फबारी शुरू होते ही इन पक्षियों के लिए भोजन और प्रजनन कठिन हो जाता है। ऐसे में चंबल सेंचुरी की नम भूमि, जलाशय और खुला वातावरण

इनके लिए बेहद अनुकूल साबित होता है। विदेशी पक्षियों के आगमन को देखते हुए सेंचुरी विभाग ने सुरक्षा और निगरानी भी बढ़ा दी है। सेंचुरी दरोगा प्रताप सिंह वर्मा, वीट प्रभारी रोहित सिंह यादव तथा नाविक अजय कुमार की टीम दिन-रात गश्त कर रही है।

विशेष रूप से रात के समय पेट्रोलिंग की जा रही है, ताकि किसी शिकारी या जंगली जानवर द्वारा पक्षियों को कोई नुकसान न पहुंचाया जा सके। विभागीय कर्मचारी लगातार कांबिंग कर रहे हैं, जिससे अंडों और नवजात पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दिसंबर के मध्य से फरवरी के अंत तक भरेह संगम, पंचनद संगम और आसपास के सेंचुरी क्षेत्रों में इन पक्षियों की भरमार देखने को मिलती है। यह समय इनके प्रजनन के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। इसी दौरान मादा पक्षी अंडे देती हैं और फरवरी-मार्च तक बच्चे निकल आते हैं। बच्चों के उड़ान भरने योग्य होते ही ये पक्षी धीरे-धीरे अपने वतन की ओर लौट जाते हैं।

चंबल सेंचुरी के विभिन्न इलाकों जैसे भरेह संगम, बबाईन पुल, पंचनद संगम, पथर्रा, छिबरौली, पालीघार, सहसों और बरचोली क्षेत्र में भी प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। रेंजर कोटेश त्यागी ने बताया कि रूस, सायबेरिया और मलेशिया से करीब 12 हजार किलोमीटर का सफर तय कर ये पक्षी यहां पहुंचते हैं। एक माह से अधिक समय की लंबी यात्रा के बाद संगम क्षेत्र में पहुंचकर ये अपना ठिकाना बनाते हैं। यहां आने वाले प्रमुख पक्षियों में रूडी शेलडक, पेंटेड स्टॉर्क, विसलिंग टील, ब्लैक आइबिस, बार-हेडेड गूज, ब्लैक नेक्ड स्टॉर्क, प्लेसिस गल, टेल टिंगो और कार्मोरेंट आदि शामिल हैं। रेंजर के अनुसार सभी प्रवासी पक्षी दिसंबर माह तक पहुंच जाते हैं और पूरी सर्दी यहीं प्रवास करते हैं।

गर्मी का मौसम शुरू होते ही ये फिर अपने देश लौट जाते हैं। विदेशी पक्षियों की मौजूदगी न केवल चंबल सेंचुरी की जैव विविधता को समृद्ध बनाती है, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी यह क्षेत्र विशेष महत्व रखता है। प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए यह नजारा किसी उत्सव से कम नहीं है, जहां हर ओर पंखों की सरसराहट और प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य देखने को मिलता है।

व्यक्ति की अलाव में गिरने से मौत

भदोही। जिले में भीषण सर्दी के बीच आग ताप रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध रूप से मिर्गी का दौरा पड़ने के कारण अलाव में गिरने से झुलसकर मौत हो गयी। पुलिस अधिकारियों ने बताया यह हादसा चौरी थाना क्षेत्र के भकोड़ा गांव में शनिवार रात को हुआ। उनके मुताबिक, मिर्गी का मरीज बसावन (50) ठंड से बचने के लिये शनिवार रात करीब आठ बजे घर के बाहर अलाव जलाकर हाथ ताप रहा था और उसकी पत्नी जयदेई घर के अंदर काम कर रहीं थी। अधिकारियों ने बताया कि इसी बीच संदिग्ध रूप से बसावन को मिर्गी का दौरा पड़ गया और वह अलाव में गिर गया। उन्होंने बताया कि करीब आधे घंटे बाद मांस की जलने की बदबू आने पर गांव के आस-पास के लोग वहां पहुंचे तो देखा कि औंधे मुंह अलाव में गिरे बसावन का आधा शरीर झुलस गया था और उसकी मौत हो चुकी थी। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने पर शव का पंचनामा करके उसे परिजन को सौंप दिया गया और रात ही उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया।

एशेज: बारिश से बाधित सिडनी टेस्ट के पहले दिन रूट-ब्रुक की साझेदारी से इंग्लैंड संभला

सिडनी। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे एशेज सीरीज के आखिरी टेस्ट के पहले दिन बारिश और खराब रोशनी का असर रहा, लेकिन इसके बावजूद जो रूट और हैरी ब्रुक की नाबाद साझेदारी ने इंग्लैंड को मुश्किल से उबार लिया। इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 211 रन बना लिए। बारिश से प्रभावित दिन में सिर्फ 45 ओवर का ही खेल संभव हो सका। इंग्लैंड की शुरुआत लड़खड़ाती रही और टीम ने 57 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद चौथे विकेट के लिए जो रूट और हैरी ब्रुक ने 154 रनों की अटूट साझेदारी कर पारी को मजबूती दी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने लंच तक 3 विकेट पर 114 रन बना लिए थे। शुरुआती आधे घंटे में बेन डकेट ने मिचेल स्टार्क के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए पांच चौके लगाए, लेकिन स्टार्क ने ही उन्हें ऑफ स्टंप के बाहर गेंद पर छेड़छाड़ के लिए मजबूर कर स्लिप में कैच करा दिया। इसके बाद ज़ैक्स ब्रेक के आसपास विकेटों की झड़ी लग गई। जैक क्रॉली को माइकल नेसर की तेज अंदर आती गेंद ने एलबीडब्ल्यू कर दिया, जबकि जैकब बेथेल जल्द ही स्कॉट बोलैंड की गेंद पर विकेट के पीछे कैच थमा बैठे। यहां से जो रूट और हैरी ब्रुक ने पारी को संभालते हुए धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी की। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों को हल्की मूवमेंट तो मिली, लेकिन वे लगातार सटीक लाइन-लेंथ नहीं रख सके। रूट ने देर से खेलते हुए सॉफ्ट हाथों का इस्तेमाल किया, वहीं तक रूट-ब्रुक की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया पर पूरी तरह हावी हो चुकी थी। पिच से सीमर्स को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी और दोनों बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी रणनीतियों को आत्मविश्वास के साथ खेला। जो रूट ने बेहद सहज अंदाज में अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि हैरी ब्रुक ने भी आक्रामक शॉट्स के साथ फिफ्टी जमाई। ब्रुक की पारी में कुछ जोखिम भरे पल भी आए—एक टॉप एज पुल शॉट सुरक्षित गिर गया और कुछ जोरदार कट शॉट विकेटकीपर से दूर निकल गए—लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा।

रूट इसके उलट बेहद सधे हुए नजर आए और शायद ही कोई गलती की। ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों में बदलाव किया और शॉर्ट बॉल रणनीति भी अपनाई, लेकिन मिचेल स्टार्क के अलावा कोई गेंदबाज लगातार दबाव नहीं बना सका। दिन के अंत में बादल छा गए, रोशनी और खराब हुई और बारिश शुरू हो गई। अंपायरों ने लाइट मीटर का इस्तेमाल किया, दर्शकों की हूटिंग के बीच खेल रोक दिया गया और अंततः एक घंटे पहले ही स्टंप्स घोषित कर दिए गए।

पीडब्ल्यूएल नीलामी में महिला पहलवानों का दबदबा युई सुसाकी पर रिकॉर्ड बोली

नई दिल्ली। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 की खिलाड़ी नीलामी में महिला पहलवानों ने जबरदस्त छाप छोड़ी। इस नीलामी की सबसे बड़ी आकर्षण रहीं जापान की स्टार पहलवान और टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता युई सुसाकी, जिन्हें हरियाणा थंडर्स ने रिकॉर्ड 60 लाख रुपये की बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा। यह अब तक की पीडब्ल्यूएल नीलामी में किसी महिला पहलवान के लिए सबसे बड़ी राशि है।

महिलाओं की 53 किग्रा भार वर्ग में विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भारत की अंतिम पंघाल को यूपी डोमिनेटर्स ने 52 लाख रुपये में खरीदा। वहीं, महिलाओं की 62 किग्रा श्रेणी में प्यूर्टो रिको की एना गोडिनेज को पंजाब रॉयल्स ने 46 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। इसके अलावा दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने महिलाओं की 76 किग्रा श्रेणी में अजरबैजान की अनास्तासिया अलपायेवा को 27 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी में कैटेगरी ए+ (मार्की) के सभी पहलवानों की बेस प्राइस 18 लाख रुपये रखी गई थी, लेकिन कई खिलाड़ियों पर बोली इससे कहीं अधिक गई। पुरुष वर्ग में भी बड़े सौदे देखने को मिले, जहां पोलैंड के रॉबर्ट बारन को महाराष्ट्र केसरी ने 55 लाख रुपये में खरीदा।

वहीं, पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल ने 51 लाख रुपये में अपनी टीम का हिस्सा बनाया। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने अजरबैजान के तुरान बायरामोव को जोड़ा, जबकि यूपी डोमिनेटर्स ने मिखाइलोव वासिल और आर्मन आंद्रेएस्यान को टीम में शामिल कर अपनी मजबूती बढ़ाई। पीडब्ल्यूएल 2026 की नीलामी प्रक्रिया अभी जारी है। खिलाड़ियों को चार श्रेणियों – ए+ (मार्की), ए, बी और सी – में बांटा गया है, जिनकी बेस प्राइस क्रमशः 18 लाख, 12 लाख, 8 लाख और 3 लाख रुपये तय की गई है। लीग का कुल पर्स 12 करोड़ रुपये का है, जिसमें छह फ्रेंचाइजियों को 2-2 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। टीमें नौ भार वर्गों (पांच पुरुष और चार महिला) में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

भारत से मैच 'शिफ्ट' करने की मांग के कुछ घंटों बाद बांग्लादेश ने की टी20 विश्व कप टीम घोषित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए लिटन दास की अगुआई वाली 15 सदस्यीय टीम का एलान किया और यह घोषणा देश के खेल मंत्रालय द्वारा टीम के लीग मुकाबलों को भारत से श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग करने के निर्देश के कुछ ही घंटों बाद की गई। बीसीबी को उसके खेल मंत्रालय ने टीम के टी20 विश्व कप लीग मुकाबलों को भारत से श्रीलंका में स्थानांतरित (शिफ्ट) करने की मांग करने के लिए कहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देशों पर मुस्तफिजुर रहमान को इ आईपीएल) से बाहर किए जाने के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही हैं। बांग्लादेश के चार लीग मैच में से तीन वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी), इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में हैं जबकि उनका आखिरी मैच नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ मुंबई में होगा। टी20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। दास कप्तान बरकरार हैं जबकि तेज गेंदबाज तास्किन अहमद हाल में आयरलैंड श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में वापस आए हैं। अहमद तेज गेंदबाजी विभाग में रहमान के साथ टीम बनाएंगे जिन्हें उम्मीद के मुताबिक टीम में शामिल किया गया है। बीसीबी ने 'एक्स' पर कहा कि बीसीबी ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा की है जो सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। '' बीसीसीआई के निर्देश के बाद सह मालिक शाहरुख खान की आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को रहमान को रिलीज कर दिया जिन्हें पिछले महीने अबुधाबी में हुई नीलामी में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इसके बाद बांग्लादेश सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने बीसीबी को जय शाह के नेतृत्व वाली आईसीसी से बांग्लादेश के चार लीग मैच को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के लिए कहने का निर्देश दिया। हालांकि बीसीसीआई के एक सूत्र के अनुसार टूर्नामेंट शुरू होने में सिर्फ एक महीना बचा है, ऐसे में यह बदलाव लगभग असंभव है। हालांकि बीसीसीआई ने रहमान को रिलीज करने के अपने फैसले के लिए बांग्लादेश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति का स्पष्ट रूप से जिक्र नहीं किया लेकिन उसने यह जरूर कहा कि यह कदम चारों ओर हो रही घटनाओं के कारण उठाया गया है।

बांग्लादेश की टीम:

लिटन दास (कप्तान), मोहम्मद सैफ हसन (उप कप्तान), तंजीद हसन, मोहम्मद परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, शक महेदी हसन, रिशद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तास्किन अहमद, मोहम्मद शैफुद्दीन, शोरफुल इस्लाम।

राइस के दो गोल से आर्सेनल ने बोर्नेमाउथ को हराया छह अंक की बढ़त बनाई

लंदन। डेकलान राइस के दो गोल की मदद से आर्सेनल ने शनिवार को यहां पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बोर्नेमाउथ को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में छह अंक की बढ़त बना ली। इंग्लैंड के मिडफील्डर राइस ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर आर्सेनल की जीत सुनिश्चित की। घुटने की चोट के कारण शुरुआत में राइस के खेलने पर संदेह था लेकिन उन्होंने पिछले मैच से बाहर रहने के बाद वापसी की और दोनों टीम के बीच का अंतर साबित हुए। आर्सेनल की ओर से गैब्रिएल मेगलहाइस ने भी एक गोल किया। बोर्नेमाउथ के लिए इवानिल्सन और एली जूनियर क्रोपी ने गोल दागे। इस जीत से आर्सेनल के 20 मैच में 48 अंक हो गए हैं। नॉटिंघम फॉरेस्ट को 3-1 से हराने वाली एस्टन विला की टीम 42 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। मैनचेस्टर सिटी की टीम हालांकि रविवार को चेल्सी को हराकर 44 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है और आर्सेनल की बढ़त को चार अंक तक सीमित कर सकती है।

डब्ल्यूएफआई ने तकनीकी अधिकारियों को अंतर-विश्वविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता से रोका

नयी दिल्ली, चार जनवरी (भाषा) चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में पांच जनवरी से होने वाली अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप पर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं क्योंकि मेजबान विश्वविद्यालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा सुझाए गए रेफरी पैनल से अलग पैनल चुना है जिसके कारण राष्ट्रीय महासंघ ने तकनीकी अधिकारियों को भेजने से मना कर दिया है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने 11 दिसंबर को एक सर्कुलर जारी किया था जिसमें साफ तौर पर कहा गया था कि संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ चैंपियनशिप के तकनीकी संचालन को देखेगा।

इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने 24 दिसंबर को एआईयू को प्रतियोगिता के लिए अंतरराष्ट्रीय रेफरी का एक पैनल सौंपा। हालांकि महासंघ ने 27 दिसंबर को एकआईयू को बताया कि चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने रेफरी पैनल के लिए सीधे उनसे संपर्क नहीं किया था। तीस दिसंबर को डब्ल्यूएफाई को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से स्वीकृति के लिए रेफरी का एक अलग पैनल मिला।

महासंघ ने मेजबान विश्वविद्यालय को बताया कि उसने पहले ही एआईयू को एक स्वीकृत पैनल भेज दिया है और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को सलाह दी कि वह अपनी जरूरत के हिसाब से उस सूची से अधिकारियों को नियुक्त करे। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि इसके बाद चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से कोई जवाब नहीं मिला। एआईयू ने 31 दिसंबर को एक बार फिर डब्ल्यूएफआई से स्वीकृति रेफरी का पैनल मेजबान विश्वविद्यालय को भेजा।

महासंघ ने कहा, ''इसके बावजूद चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में डब्ल्यूएफआई से कोई बातचीत शुरू नहीं की।'' नतीजतन दो जनवरी को डब्ल्यूएफआई ने औपचारिक रूप से एआईयू और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय दोनों को सूचित किया कि पुष्टि की कमी और बाकी बचे बहुत कम समय को देखते हुए तकनीकी अधिकारियों के लिए चैंपियनशिप में शामिल होना संभव नहीं होगा जिन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों से यात्रा करनी होगी।

डब्ल्यूएफआई ने इस बात पर भी चिंता जताई कि मेजबान विश्वविद्यालय ने टीएसआर प्रणाली के वेंडर से संपर्क गैर कंप्यूटराइज्ड प्रणाली से प्रतियोगिता के ड्रॉ कराने की कोशिश की जिसे महासंघ ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए स्थापित नियमों के खिलाफ बताया। इस गतिरोध ने चैंपियनशिप के तकनीकी संचालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं विश्वविद्यालय के खेल कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है और उभरते हुए पहलवानों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। अब प्रतियोगिता के सुचारू संचालन पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 1.23 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

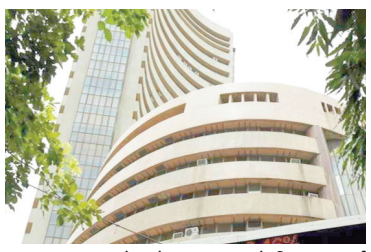

नई दिल्ली। इक्विटी बाजार में सकारात्मक रुझान के बीच पिछले सप्ताह शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में 1,23,724.19 करोड़ रुपये का उछाल आया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 720.56 अंक या 0.84 प्रतिशत चढ़ा।

शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ में रहे, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और बजाज फाइनेंस के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 45,266.12 करोड़ रुपये बढ़कर 21,54,978.60 करोड़ रुपये हो गया।

भारतीय स्टेट बैंक ने 30,414.89 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 9,22,461.77 करोड़ रुपये पहुंच गया। हालांकि, टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 10,745.72 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 11,75,914.62 करोड़ रुपये रह गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 6,183.25 करोड़ रुपये घटा। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा।

एफपीआई ने जनवरी के दो दिनों में इक्विटी से 7,608 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2026 की शुरुआत सतर्क रुख के साथ की है। पिछले साल के अपने बिकवाली के सिलसिले को जारी रखते हुए उन्होंने जनवरी के पहले दो कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से 7,608 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले उन्होंने 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी। ऐसा अस्थिर मुद्रा, वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिकी शुल्क संबंधी चिंताओं और बाजार के बढ़े हुए मूल्यांकन के कारण हुआ। एफपीआई की बिकवाली के दबाव ने 2025 के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में हुई गिरावट में लगभग पांच प्रतिशत का महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 में यह रुख बदल सकता है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि इस साल एफपीआई की रणनीति में बदलाव देखने को मिल सकता है, क्योंकि बेहतर होते घरेलू बुनियादी कारक निवेश को आकर्षित करना शुरू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत जीडीपी वृद्धि और कॉर्पोरेट मुनाफे में सुधार की संभावना आने वाले महीनों में सकारात्मक एफपीआई प्रवाह के लिए शुभ संकेत है।

बीमा क्षेत्र में गलत बिक्री एक गंभीर चिंता का विषय: इरडा

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि बीमा क्षेत्र में 'गलत बिक्री' एक गंभीर चिंता का विषय है और बीमा कंपनियों को इसकी वजह का पता लगाने के लिए 'मूल कारण विश्लेषण' करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों की कुल संख्या वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग स्थिर रही है। यह संख्या 2023-24 में 1,20,726 थी, जो 2024-25 में 1,20,429 रही।

हालांकि, 'अनुचित व्यावसायिक व्यवहार' (यूएफबीपी) के तहत दर्ज शिकायतों की कुल संख्या वित्त वर्ष 2023-24 के 23,335 से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 26,667 हो गई है। इस प्रकार, कुल शिकायतों में यूएफबीपी संबंधी शिकायतों की हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष के 19.33 प्रतिशत की तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 22.14 प्रतिशत हो गई है। 'गलत बिक्री' का अर्थ उपभोक्ताओं को नियम, शर्तों या उपयुक्तता के बारे में सही जानकारी दिए बिना बीमा उत्पादों की बिक्री करना है। इरडा ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में कहा, ''गलत बिक्री को रोकने या कम करने के लिए बीमा कंपनियों को उत्पाद की उपयुक्तता का आकलन करने, वितरण चैनल पर उचित नियंत्रण लागू करने और गलत बिक्री की शिकायतों के समाधान के लिए योजना बनाने की सलाह दी गई है, जिसमें समय-समय पर 'मूल कारण विश्लेषण' करना शामिल है।''

वित्त मंत्रालय ने भी कॉरपोरेट शासन की सर्वोत्तम प्रथाओं को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए बैंकों और बीमा कंपनियों को ग्राहकों को बीमा पॉलिसियों की 'गलत-बिक्री' के प्रति बार-बार आगाह किया है। गलत बिक्री के कारण अक्सर ग्राहकों पर प्रीमियम का बोझ बढ़ जाता है, जिसके चलते पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसी का नवीनीकरण नहीं कराते और पॉलिसी बंद होने के मामले बढ़ जाते हैं।

नवंबर में भारत का कोयला आयात बढ़ा, आने वाले महीनों में गिरावट की संभावना

नई दिल्ली। भारत का कोयला आयात नवंबर में 28.1 प्रतिशत बढ़ा, हालांकि घरेलू संसाधनों की उपलब्धता बढ़ने के कारण आने वाले महीनों में इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। इस्पात कंपनी सेल और टाटा स्टील के संयुक्त उद्यम 'एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड' के आंकड़ों से यह जानकारी मिली, जो एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच है। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2025 में आयात सालाना आधार पर बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो गया, जो नवंबर 2024 में 1.95 करोड़ टन था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा, ''नवंबर में आयात की मात्रा में वृद्धि मुख्य रूप से इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों के भंडार को फिर से तैयार करने के कारण हुई। इसके अलावा, कुछ खरीदारों ने नई पोजीशन ली क्योंकि समुद्र के रास्ते आने वाले कोयले की कीमतें कमजोर बनी हुई थीं। हालांकि, आने वाले महीनों में हम घरेलू उपलब्धता बढ़ने के कारण आयात में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं।'' नवंबर 2025 के कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोल का आयात 1.42 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी माह में यह आंकड़ा 1.23 करोड़ टन था। समीक्षाधीन अवधि में कोकिंग कोल का आयात 65 लाख टन रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में कोयला आयात बढ़कर 18.61 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 18.20 करोड़ टन था।

वेनेजुएला के तेल भंडार पर अमेरिकी नियंत्रण से मिल सकता है भारत का अटका हुआ बकाया

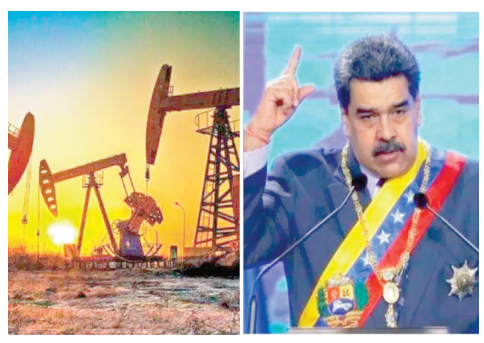

नई दिल्ली। विश्लेषकों और उद्योग सूत्रों के अनुसार, वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण अथवा उसके पुनर्गठन से भारत को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। विश्लेषकों ने बताया कि इस घटनाक्रम के चलते काफी समय से लंबित भारत के लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर के बकाये की वसूली हो सकती है और प्रतिबंधों से प्रभावित वेनेजुएला में भारतीय संस्थाओं द्वारा संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि भारत एक समय वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था और अपने चरम काल में प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक का आयात करता था। हालांकि, 2020 में अमेरिकी प्रतिबंधों और अनुपालन जोखिमों के कारण यह आयात बाधित हो गया था। भारत की प्रमुख विदेश तेल अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) पूर्वी वेनेजुएला के 'सैन क्रिस्टोबल' तेल क्षेत्र का संयुक्त संचालन करती है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण आवश्यक तकनीक, उपकरण और सेवाओं तक पहुंच बाधित होने से वहां उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और व्यावसायिक रूप से उपयोगी भंडार लगभग फंस गए।

वेनेजुएला सरकार ने इस परियोजना में ओवीएल की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी पर 2014 तक देय 53.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभांश अभी तक नहीं चुकाया है। इसके बाद की अवधि के लिए भी लगभग समान राशि बकाया है, किंतु ऑडिट की अनुमति न मिलने के कारण इन दावों का निपटान लंबित है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि अमेरिका वहां के तेल भंडार को अपनी निगरानी में लेता है, तो प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है।

इसके बाद ओवीएल गुजरात और अन्य क्षेत्रों से रिग एवं अन्य उपकरण भेजकर उत्पादन में वृद्धि कर सकती है। इस समय यह उत्पादन घटकर मात्र 5,000 से 10,000 बैरल प्रतिदिन रह गया है। अधिकारियों का अनुमान है कि यदि उन्नत उपकरण और अतिरिक्त तेल कुओं का उपयोग किया जाए, तो उत्पादन बढ़कर 80,000 से 1,00,000 बैरल प्रतिदिन हो सकता है। इसके लिए आवश्यक रिग ओएनजीसी के पास पहले से उपलब्ध हैं। अमेरिकी नियंत्रण का अर्थ यह भी है कि वैश्विक बाजार में वेनेजुएला से निर्यात शीघ्र बहाल हो सकता है, जिससे ओवीएल को अपने पुराने बकाये की वसूली में सहायता मिलेगी। ओवीएल ने पूर्व में अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) से विशेष लाइसेंस के तहत प्रतिबंधों में छूट की मांग की थी, जैसा कि शेवरॉन को प्रदान किया गया था।

केप्लर के वरिष्ठ शोध विश्लेषक निखिल दुबे ने कहा कि प्रतिबंधों में ढील से व्यापार प्रवाह तेजी से बहाल हो सकता है और वेनेजुएला का कच्चा तेल फिर से भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, नयारा एनर्जी, इंडियन ऑयल और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी जैसी भारतीय रिफाइनरियों के पास भारी कच्चे तेल को संसाधित करने की उन्नत क्षमता मौजूद है। विश्लेषकों के अनुसार वेनेजुएला के तेल की वापसी से वैश्विक बाजार में कीमतों में स्थिरता आएगी और भारत जैसे आयातक देशों को रणनीतिक लाभ मिलेगा।

एक्स अवैध सामग्री हटाएगा उल्लंघन करने वालों पर लगेगा स्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली। एलन मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया साइट 'एक्स' अवैध सामग्री को हटाएगी और ऐसी सामग्री अपलोड करने वाले खातों को स्थायी रूप से निलंबित करेगी। एक्स ने रविवार को बताया कि वह जरूरत के अनुसार स्थानीय सरकारों के साथ काम करेगी।

कंपनी के वैश्विक सरकारी मामलों के खाते से यह बयान जारी किया गया। इससे पहले उसने कहा था कि मंच की एआई सेवा 'ग्रोक' का उपयोग करके अवैध सामग्री बनाने वालों पर भी वैसी ही कार्यवाही होगी, जैसी अवैध सामग्री अपलोड करने वालों पर की जाती है। मस्क ने 'अनुचित छवियों' पर एक पोस्ट के जवाब में एक्स पर कहा, ''अवैध सामग्री बनाने के लिए ग्रोक का उपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति को वही परिणाम भुगतने होंगे, जैसा कि अवैध सामग्री अपलोड करने वालों के साथ होता है।'' एक्स के वैश्विक सरकारी मामलों ने अवैध सामग्री पर मस्क के रुख को दोहराया। इसमें कहा गया, ''हम एक्स पर बाल यौन शोषण सामग्री सहित अवैध सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करते हैं, इसे हटाकर, खातों को स्थायी रूप से निलंबित करके और आवश्यकतानुसार स्थानीय सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हैं।'' इसमें आगे कहा गया, ''अवैध सामग्री बनाने के लिए ग्रोक का उपयोग करने या उसे उकसाने वाले किसी भी व्यक्ति को वही परिणाम भुगतने होंगे जैसा कि अवैध सामग्री अपलोड करन वालों के साथ किया जाता है।'' भारत सरकार ने पाया है कि एक्स पर अश्लील, अभद्र और अन्य गैर-कानूनी सामग्री अपलोड की जा रही है जो स्थानीय कानूनों का उल्लंघन है।

परिवार के साथ बर्फबारी एन्जॉय करती नजर आई प्रियंका चोपड़ा

न्यूयार्क। साल 2025 के आखिरी हफ्ते में अपनी फैमिली के साथ क्वॉलिटी टाइम बिता रही एक्ट्रेस प्रियंका चोपडा ने इंस्टाग्राम पर स्पेशल पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह अपनी फैमिली मां मधु चोपड़ा, पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ न्यूयॉर्क की बर्फबारी एन्जॉय करती हुईं नजर आ रही हैं। पोस्ट में शेयर की कई तस्वीरें और वीडियो में प्रियंका बेटी के साथ मैचिंग करते हुए क्रीम आउटफिट में नजर आ रही हैं। जबकि एक फोटो में वह मां मधु चोपड़ा के साथ सेल्फी लेते हुए दिख रही हैं। इसके अलावा अन्य वीडियो में प्रियंका और मालती को हाथ पकड़े सड़क पर गिरी बर्फ पर चलते हुए देखा जा सकता है। वहीं कुछ देर चलने के बाद मालती बर्फ में अकेले चलते हुए नजर आती हैं और कपल उसकी वीडियो रिकॉर्ड करता हुआ नजर आ रहा है। कुछ तस्वीरों में मालती बॉनफायर एन्जॉय करती हुई बी नजर आती हैं। जबकि एक में वह क्रिसमस ट्री के पास खड़ी दिख रही हैं। इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कुछ वक्त खुशी आसमान से गिरती है। इसका सबूत यह है। इसके साथ एक्ट्रेस ने स्नोफ्लेक्स, स्माइली और हार्ट इमोजी कैप्शन में एड किए हैं। वहीं इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने बैकग्राउंड में गाना समवेयर ओनली वी नो गाना एड किया है और न्यूयॉर्क की एक लोकेशन को भी टैग किया है। इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और एक्ट्रेस के लिए हार्ट इमोजी शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा की अपकमिंग तेलुगू डेब्यू फिल्म एस एस राजामौली की वाराणसी है, जिसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आने वाले हैं। फिल्म में प्रियंका मंदाकिनी, महेश बाबू रुद्र और पृथ्वीराज कुम्भा के रोल में नजर आएंगे। फिल्म साल 2027 में संक्रांति पर रिलीज होगी। बता दें कि एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा साल 2025 के आखिरी हफ्ते में अपनी फैमिली के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताती हुईं नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वह फैंस के साथ इसकी झलक जरुर दिखा रही हैं।

निकितिन धीर को आई पिता पंकज धीर की याद, शेयर की शूटिंग से जुड़ी मीठी यादें

मुंबई। 'महाभारत' में दानवीर कर्ण का किरदार निभाने वाले एक्टर पंकज धीर भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके 'कर्ण' के किरदार ने उन्हें अमर बना दिया है। अब अभिनेता के बेटे निकितिन धीर ने पिता के साथ बिताए पलों को याद किया है और उस फिल्म का जिक्र किया है, जिसमें दोनों ने साथ काम किया है।

निकितिन धीर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो डाली है, जिसमें वे अपने पिता के साथ वैनिटी वैन में बैठे दिख रहे हैं। दोनों के चेहरे पर मुस्कान है और पंकज धीर शीशे के सामने बैठकर दोनों की फोटो क्लिक कर रहे हैं। ये फोटो पिता-बेटे दोनों के साथ में बिताए प्यारे पलों की गवाह है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "कुछ कहानियां अधूरी रह जाती हैं लेकिन पल नहीं। ये मैं और पापा एक वैनिटी वैन में साथ बैठे हैं, उस फिल्म के लिए जो हम कर रहे थे लेकिन पूरी नहीं हो पाई। उनके साथ एक अभिनेता के रूप में काम करते हुए मैंने कुछ

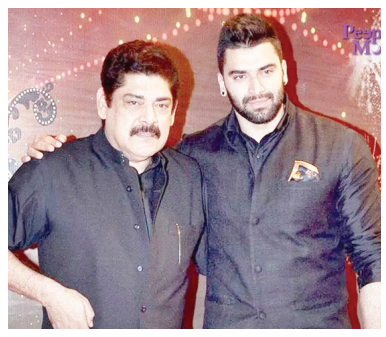

बेहतरीन पल बिताए। शुक्र है ऐसा हुआ।" निकितिन धीर को जब भी अपने पिता की याद आती है, वे सोशल मीडिया पर उनसे जुड़ी यादों को शेयर करते हैं। इससे पहले उन्होंने पिता के निधन पर लंबा पोस्ट लिखा था और अपने दुख को शब्दों में व्यक्त किया था। अभिनेता का कहना था कि पिता के जाने के बाद उनका परिवार बिखर चुका है, लेकिन उनके जाने के बाद अहसास हुआ कि उन्होंने कितनी इज्जत और प्यार कमाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, "कुछ दिन बीतने पर और उन्हें मिल रहे निरंतर प्रेम को देखकर मुझे एहसास हुआ कि यही जीवन है। भौतिक वस्तुओं का संग्रह नहीं, बल्कि प्रेम, आशीर्वाद, आदर सत्कार, ये सब अमूर्त हैं। ये सब मेरे पिता अपने साथ परलोक में ले गए हैं। आज मुझे उनका बेटा होने पर पहले से कहीं अधिक गर्व है। वे एक आदर्श पिता थे, जैसा कोई भी लड़का चाह सकता है। उन्होंने मुझे दृढ़ता, चरित्र, वफादारी, लगन और दृढ़ संकल्प सिखाया।

बता दें कि पंकज धीर का निधन कैंसर की बीमारी की वजह से हुआ था। अभिनेता ने इससे पहले एक बार कैंसर को हराकर जीवन जीना शुरू किया था, लेकिन दूसरी बार बीमारी ने उन्हें उभरने का मौका नहीं दिया। वे काफी समय से कैंसर की वजह से ही अस्पताल में भर्ती थे और 15 अक्टूबर, 2025 को उन्होंने आखिरी सांस ली।

पवन सिंह को खूब प्यार-दुलार किया माईने, फैंस हुए खुश

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह ने मां का आशीर्वाद लिया तो मां ने भी पवन सिंह को खूब प्यार और दुलार किया। पवन सिंह का यह लेटेस्ट पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। इस तस्वीर में उनकी मां उन्हें आशीर्वाद दे रही हैं। खूब प्यार-दुलार कर रही हैं। पवन सिंह को जब भी अपने बिजी शेड्यूल से वक्त मिलता है, वो अपने परिवार, अपनी मां के साथ वक्त जरूर बिताते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी माई के साथ फोटो शेयर की तो वो देखते ही देखते वायरल हो गई। उनके पोस्ट पर फैंस खूब रिएक्ट कर रहे हैं। इस तस्वीर में पवन सिंह अपनी मां के चरणों में बैठे हुए हैं। उनकी माई उन्हें प्यार से दुलार-पुचकार रही है। तस्वीर को दो घंटे में ही 2 लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक कर दिया है। पवन के पोस्ट पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। एक ने कहा कि ये सबसे बेस्ट फोटो है तो दूसरे ने बोला कि पवन भैया की माई मतलब हमारी माई। एक और फैन ने कहा कि मां के चरणों में ही असली सफलता है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो पवन की दो शादियां हुईं। उनकी पहली बीवी ने सुसाइड कर लिया था। इसके बाद उनकी ज्योति से शादी हुई, पर इनके बीच तलाक को लेकर केस चल रहा है। कुछ दिन पहले ज्योति ने पवन पर कई आरोप भी लगाए थे।

बीएसएफ के जवानों के साथ वरुण धवन की मस्ती, 'घर कब आओगे' गाने पर जमाया रंग

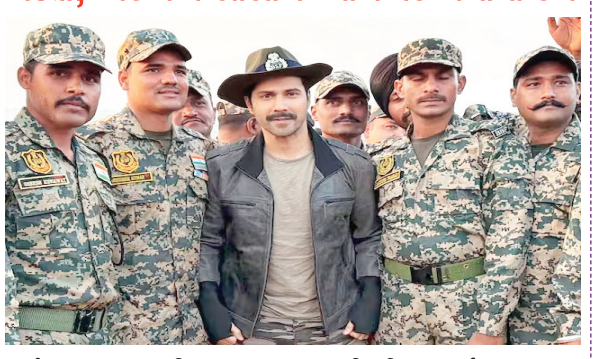

मुंबई। 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर-2' लगातार सुर्खियों में बनी है। 2 जनवरी को फिल्म का आइकॉनिक गाना 'घर कब आओगे' रिलीज हुआ, जिसमें सोनू निगम, अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ और विशाल मिश्रा की आवाज ने लोगों के दिलों पर जादू कर दिया है। इसी कड़ी में फिल्म में लीड रोल निभा रहे वरुण धवन पर 'घर कब आओगे' गाने का खुमार चढ़ चुका है और उन्होंने सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ ऐसी वीडियो शेयर की है, जो किसी का भी दिल जीत लेगी। वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं। वीडियो में बीएसएफ का एक जवान हार्मोनियम बजा रहा है और वरुण धवन गाने के सुर लगा रहे हैं। हार्मोनियम के संगीत पर सोनू निगम भी अपनी मीठी आवाज से सैनिकों को नाचने पर मजबूर कर रहे हैं। वीडियो में कुछ बीएसएफ जवानों को डांस करते हुए देखा जा रहा है। वीडियो से साफ है कि सॉन्ग लॉन्च के दौरान वरुण और बाकी सभी लोगों ने खूब मस्ती की थी। इससे पहले सॉन्ग लॉन्च में वरुण धवन ने ये भी साफ कर दिया था कि उनके देश के सैनिक समय आने पर हर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र भी किया था और कहा कि देश में 'बॉर्डर-2' जैसी फिल्में बननी चाहिए, क्योंकि देश का यूथ ऐसी ही फिल्मों से प्रेरित होगा। उन्होंने कहा था कि 'वैसे तो हमारा देश बहुत शांतिप्रिय देश है, लेकिन जब-जब हमारी धरती मां को कोई आंख भी उठाकर देखेगा, तो हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं।'

टाइटैनिक से पॉपुलर हुई एक्ट्रेस केट विन्सलेट ने अपने पहले इंटिमेट एक्सपीरियंस को शेयर किया

लॉस एंजेलिस। हाल ही में फिल्म टाइटैनिक से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस केट विन्सलेट ने अपने पहले इंटिमेट एक्सपीरियंस को शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने टीनएज के आखिरी सालों में जिज्ञासु थीं और वह 1994 की फिल्म हेवनली क्रिएचर्स में अपने किरदार से खुद को जोड़ पाईं, जो दो टीनएज लड़कियों के बीच सब कुछ खत्म कर देने वाले और जुनूनी रिश्ते के बारे में थी। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने सेम सेक्स के साथ भी इंटिमेट एक्सपीरियंस शेयर किया है। उन्होंने एक पॉडकास्ट पर चर्चा के दौरान कहा, मैं कुछ ऐसा शेयर करूंगी जो मैंने पहले कभी शेयर नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, एक यंग टीनएजर के तौर पर मेरे कुछ पहले इंटिमेट एक्सपीरियंस असल में लड़कियों के साथ थे। मैंने कुछ लड़कियों को किस किया था, मैंने कुछ लड़कों को भी किस किया था, लेकिन मैं किसी भी दिशा में खास आगे नहीं बढ़ी थी। लेकिन अपनी जिंदगी के उस पड़ाव पर मैं जानना चाहती थी और मुझे लगता है कि उन दो महिलाओं के बीच जो बहुत गहरा रिश्ता था उसे मैं बहुत अच्छे से समझती थी। मैं तुरंत उस दुनिया के भंवर में खिंची चली गई, जिसमें वे थीं, जो जाहिर है उन दोनों के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक साबित हुई। केट ने आगे कहा, मेरा मतलब है कि उन्होंने किसी का मर्डर कर दिया क्योंकि उन्हें सच में विश्वास था कि वह इंसान उन्हें एक साथ रहने से रोक रहा था।

ब्रिटेन-फ्रांस ने सीरिया में की एयर स्ट्राइक, बमों से उड़ाया आतंकियों का भूमिगत हथियार डिपो

लंदन। ब्रिटेन और फ्रांस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में सीरिया के अंदर आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की है। लड़ाकू विमानों ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप के एक संदिग्ध भूमिगत हथियार डिपो पर बमबारी की। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा कि इस हमले में किसी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा है और सभी एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के बाद सुरक्षित लौट आए हैं। सीरिया में इस्लामिक स्टेट ग्रुप (दाएश आतंकवादी संगठन) फिर से उभरने की कोशिश में है, जिसने 2019 तक सीरिया के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था।

इसे रोकने के लिए ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ मिलकर ऑपरेशन किया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा, "रॉयल एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट मार्च 2019 में अपनी सैन्य हार के बाद दाएश आतंकवादी ग्रुप के किसी भी संभावित पुनरुत्थान को रोकने के लिए सीरिया के ऊपर गश्त करना जारी रखे हुए हैं। सावधानीपूर्वक खुफिया विश्लेषण ने पलमायरा के प्रमुख स्थल से कुछ मील उत्तर में पहाड़ों में एक भूमिगत ठिकाने की पहचान की। इस ठिकाने पर दाएश का कब्जा था, जिसका इस्तेमाल हथियार और विस्फोटक जमा करने के लिए किया जाता था। ठिकाने के आसपास के क्षेत्र में कोई नागरिक बस्ती नहीं है।" रॉयल एयरफोर्स के टाइफून एफजीआर4एस फाइटर जेट्स ने फ्रांसीसी विमानों के साथ एक संयुक्त कार्रवाई में 3 जनवरी की शाम को भूमिगत ठिकाने पर हमला किया। विमानों ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए पेववे-4 गाइडेड बमों का इस्तेमाल किया।

रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शुरुआती संकेत हैं कि लड़ाकू विमानों ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें विमानों को वॉयेजर एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग टैंकर से ईंधन सपोर्ट लेते दिखाया गया। रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा, "यह कार्रवाई हमारे ब्रिटेन के नेतृत्व और अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के हमारे पक्के इरादे को दिखाती है, ताकि मिडिल ईस्ट में दाएश और उसकी खतरनाक व हिंसक विचारधारा के फिर से उभरने को खत्म किया जा सके। मैं इस ऑपरेशन में शामिल हमारी सेना के सभी सदस्यों को उनकी दक्षता और साहस के लिए धन्यवाद देता हूं।"

उन्होंने आगे कहा, "वे क्रिसमस और नए साल के दौरान तैनात किए गए हजारों ब्रिटिश जवानों में से थे। हमारे जीवन के तरीके को खतरा पहुंचाने वाले खतरनाक आतंकवादियों को खत्म करने के लिए किया गया यह ऑपरेशन दिखाता है कि हमारी सेना पूरे साल कैसे तैयार रहती है व ब्रिटेन को घर पर सुरक्षित और विदेश में मजबूत रखती है।"

अमेरिकी सैन्य अभियान का असरः कैरेबियाई क्षेत्र में हवाई यातायात बाधित, कई उड़ानें रद्द

वाशिंगटन। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाए जाने के अमेरिकी सैन्य अभियान का असर कैरेबियाई क्षेत्र में हवाई यातायात पर भी पड़ा और कई उड़ानों को रद्द कर दिया गया। अमेरिका ने शनिवार तड़के एक आश्चर्यजनक सैन्य अभियान में मादुरो और उनकी पत्नी को एक सैन्य अड्डे में स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया और उन्हें विमान से न्यूयॉर्क लाया गया।

'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' के अनुसार, जिस दिन यह सैन्य अभियान चला, उस दिन कोई भी वाणिज्यिक उड़ान वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र के ऊपर से नहीं गुजरी। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद प्रमुख विमानन

कंपनियों ने पूर्वी कैरेबियाई क्षेत्र में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं। प्यूर्टो रिको, अरूबा और वेनेजुएला के उत्तर में स्थित लेसर एंटिल्स समूह के 12 से अधिक द्वीपों के लिए उड़ाने प्रभावित रहीं। यात्रियों को चेतावनी दी गई कि यह व्यवधान कई दिनों तक जारी रह सकता है। हालांकि, अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने शनिवार रात कहा कि ये प्रतिबंध स्थानीय समय के अनुसार आधी रात को समाप्त हो जाएंगे और विमानन कंपनियां रविवार से सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर सकेंगी। 'साउथवेस्ट एयरलाइंस' ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उसने प्यूर्टो रिको के लिए रविवार को आने-जाने की छह अतिरिक्त उड़ानों और सोमवार को आठ अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की है। इसके अलावा अरूबा के लिए रविवार को दो अतिरिक्त उड़ानें भी निर्धारित की गई हैं। अरूबा के क्वीन बीट्रिक्स हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि उड़ानें रद्द होने के कारण बड़ी संख्या में यात्री फंस गए हैं, लेकिन उम्मीद है कि रविवार से हालात सामान्य हो जाएंगे। वेनेजुएला के तट से करीब 24 किलोमीटर दूर स्थित अरूबा अमेरिकी पर्यटकों के लिए छुट्टियां मनाने का लोकप्रिय गंतव्य है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चीन पहुंचे चीन

हांगकांग। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग चार दिवसीय यात्रा पर रविवार को चीन पहुंचे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब ताइवान को लेकर चीन और जापान के बीच बढ़े तनाव के बाद चीन दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को और मजबूत करने का इच्छुक है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है। चीन इसे अपना संप्रभु क्षेत्र बताकर इस पर दावा करता है। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने रविवार को अपनी खबर में बताया कि ली बीजिंग पहुंच गए हैं। जून में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ली जे म्युंग की चीन की यह पहली यात्रा है। इस दौरान ली अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से मुलाकात करेंगे। यह सिर्फ दो महीनों में उनकी दूसरी बैठक होगी। चीन के साथ बढ़े तनाव के बीच जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने नवंबर में कहा था कि यदि चीन ताइवान के खिलाफ कार्रवाई करता है तो उनके देश की सेना भी इसमें शामिल हो सकती है।

बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी की हत्या के सिलसिले में तीन गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के शरीयतपुर जिले में एक हिंदू व्यवसायी पर धारदार हथियार से हमला करने और जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। ढाका से लगभग 100 किलोमीटर दूर शरीयतपुर जिले के दामुड्या में केउरभांगा बाजार के पास बुधवार रात को 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास पर हमला किया गया था। शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई।

'प्रथम आलो' अखबार ने कहा कि रैपिड एक्शन बटालियन की एक टीम ने रविवार सुबह ढाका से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में किशोरगंज से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान दामुड्या के सोहाग खान (27), रब्बी मोल्या (21) और पलाश सरदार (25) के रूप में हुई है। आरएबी मदारिपुर कैंप कंपनी कमांडर पुलिस अधीक्षक मीर मुनीर हुसैन ने 'प्रथम आलो' को बताया कि आरोपियों को किशोरगंज से मदारिपुर कैंप लाया जा रहा है।

मदारिपुर, शरीयतपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों में कहा गया था कि दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का व्यवसाय करने वाले दास एक ऑटो-रिक्शा से यात्रा कर रहे थे, तभी हमलावरों ने वाहन को रोका और उनकी कथित तौर पर पिटाई की, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर उनके सिर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि खुद को बचाने की कोशिश में दास सड़क किनारे एक तालाब में कूद गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। हमलावर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने उन्हें तालाब से निकाला और शरीयतपुर सदर अस्पताल ले गए, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें ढाका के लिए रेफर कर दिया गया। ढाका के चिकित्सकों ने कहा कि दास के शरीर पर कई चोटें आई थीं, जिसमें पेट पर गंभीर घाव के साथ-साथ चेहरे, सिर और हाथों पर जलने के निशान थे। एक समाचार पोर्टल ने रविवार को बताया कि शरीयतपुर की पुलिस अधीक्षक रौनक जहां ने कहा कि पीड़ित ने मृत्यु से पहले आरोपियों के नाम बताए थे। शनिवार को दास की मृत्यु के बाद बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजल देवनाथ ने कहा कि दिसंबर से अब तक हिंदू समुदाय के पांचवें व्यक्ति की मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यक धर्मों को डराने की कोशिश कर रहे हैं।

वेनेजुएला में आखिर सत्ता किसके हाथ में है, लोग परेशान

कारकस। अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाए जाने के बाद शनिवार को देश के लोग यह समझने के लिए परेशान रहे कि उनके राष्ट्र की बागडोर आखिर किसके हाथ में है। मादुरो ने 2.9 करोड़ की आबादी वाले इस राष्ट्र में असफल तख्तापलट के एक प्रयास, कई सैन्य विद्रोहों, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना किया था। राजधानी कारकस के निवासी जुआन पाब्लो पेट्रोन ने पूछा, कल क्या होगा? जैसे ही शहर में दहशत फैली, सड़कें तुरंत सुनसान हो गईं, सिवाय सुपरमार्केट और पेट्रोल पंपों के, जहां लोग लंबी कतारों में खड़े दिखे। देश की बागडोर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है कि वेनेजुएला पर अमेरिका नियंत्रण कर लेगा और ऐसा संभवतः मादुरो के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक के साथ मिलकर किया जाए। वेनेजुएला में राष्ट्रपति की दौड़ में अगली उम्मीदवार और साल 2018 से उपराष्ट्रपति पद संभाल रहीं डेल्सी रोड्रिगेज राष्ट्र की तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था के साथ-साथ इसकी कुख्यात खुफिया सेवा का काम भी देखती हैं। शनिवार को वेनेजुएला के उच्च न्यायालय ने उन्हें राष्ट्रपति का पद अंतरिम रूप से संभालने का आदेश दिया। ट्रंप ने पत्रकारों से रोड्रिगेज के बारे में कहा कि वह वेनेजुएला को फिर से महान बनाने के लिए जो कुछ भी आवश्यक समझती हैं, वह करने को तैयार हैं।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइलः दक्षिण कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया ने समुद्र में रविवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में कहा कि सेना को सुबह सात बजकर 50 मिनट पर उत्तर कोरिया की राजधानी के इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें प्रक्षेपित किए जाने का पता चला। बयान में कहा गया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तट की ओर से दागी गईं, लेकिन यह नहीं बताया कि वे कितनी दूर तक गईं।

'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उन्होंने अपनी निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर लिया है और उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपणों के संबंध में अमेरिका व जापान के साथ लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रहे हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी उत्तर कोरिया द्वारा संदिग्ध मिसाइल प्रक्षेपण किए जाने की सूचना दी है। इस प्रक्षेपण के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' की आगामी कांग्रेस (पार्टी की सर्वोच्च स्तर की बैठक) से पहले हथियारों का प्रदर्शन करने की ताजा घटना है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया कांग्रेस से पहले रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां दिखाने के लिए हथियार परीक्षणों में तेजी ला सकता है। पर्यवेक्षक इस बात पर नजर रख रहे हैं कि क्या उत्तर कोरिया अमेरिका के प्रति कोई नयी नीति निर्धारित करेगा और लंबे समय से ठप पड़ी वार्ता को फिर से शुरू करने के उसके आह्वान पर प्रतिक्रिया देगा। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर वार्ता के लिए चीन रवाना होने से कुछ घंटे पहले हुआ। इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइल दागी है।